



Sreeleela Surapaneni
Shares Spotlight With...

द फोटोन न्यूज

Published from Ranchi

Ranchi • Saturday, 03 May 2025 • Year : 03 • Issue : 107 • Ranchi Edition • Page : 12 • Price : ₹3 • www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SHARE	
सेंसेक्स	: 80,501.99
निफ्टी	: 24,346.70

SARAFI	
सोना	: 8,935
चांदी	: 109.0

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

एयर मार्शल नर्मदेश्वर

तिवारी ने वायुसेना उपप्रमुख का संभाला पदभार

NEW DELHI :

शुक्रवार को एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी ने वायुसेना के नए उपप्रमुख के रूप में पदभार संभाला। वह



उत्कृष्ट लड़ाकू विमान पायलट हैं और उनके पास 3600 घंटे से अधिक विमान उड़ाने का अनुभव है। तिवारी ने एयर मार्शल एस पी धारकर का स्थान लिया, जो 30 अप्रैल को सेवानिवृत्त हुए थे। वायुसेना के उप प्रमुख के रूप में कार्यभार संभालने से पहले, एयर मार्शल तिवारी गांधीनगर स्थित दक्षिण पश्चिमी वायु कमान (एसडब्ल्यूएसी) के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ (एओसी-इन-सी) थे।

बाबा केदारनाथ के खुले कपाट, प्रथम पूजा में शामिल हुए सीएम धामी

DEHRADUN :

शुक्रवार को भगवान आशुतोष के द्वादश ज्योतिर्लिंगों में एक केदारनाथ के कपाट बृष लग्न पर सुबह सात बजे वि०धि-विधान के साथ खोल दिए गए। इस मौके पर सेना की भ०क्तिमयी धुनों और भक्तों के जयकारों समुची केदारपुरी जयकारों से गूंज उठी। लगभग 15 हजार श्रद्धालु कपाटोद्घाटन के साक्षी बने। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंदिर की प्रथम पूजा में शामिल होकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम से पहला संकल्प लिया। मुख्यमंत्री ने कपाट खुलने पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी।

पलामू में तैनात एसआई नौकरी से बर्खास्त

PALAMU :

पलामू में तैनात एक सब-इंस्पेक्टर को विभागीय कार्रवाई के बाद बर्खास्त कर दिया गया है। जांच में दारोगा पर घूस लेने का आरोप सही पाया गया। इसके बाद घूसखोर दारोगा को नौकरी से हटाने का आदेश बोकारो रेंज के डीआईजी ने जारी किया है। बर्खास्त सब इंस्पेक्टर निलेश कुमार सिंह की पोस्टिंग वर्ष 2022 में धनबाद के लोयाबाद थाना में थी। एक केस डायरी भेजना करने के लिए 50 हजार रुपए की रिश्वत मांग सब इंस्पेक्टर निलेश कुमार सिंह ने की थी। 2018 बैच के दारोगा निलेश कुमार सिंह को धनबाद एसबी की टीम ने छह जून 2022 को 15 हजार रुपए की रिश्वत लेते रथ हाथों पकड़ा था। शिकायतकर्ता ने एसबी को रिश्वत मांगने की शिकायत की थी।

AGENCY NEWS DELHI :

शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तिरुवनंतपुरम में देश के पहले समर्पित कंटेनर ट्रांशिपमेंट पोर्ट के उद्घाटन अवसर पर कहा कि इससे भारत की समुद्री ताकत एक नई ऊंचाई पर पहुंचेगी और केरल इसमें अग्रणी भूमिका निभाएगा।

मोदी ने केरल के तिरुवनंतपुरम में देश के पहले समर्पित कंटेनर ट्रांशिपमेंट पोर्ट द्वाविजिनजाम इंटरनेशनल डीप-वाटर मल्टीपर्पस सीपोर्टह्क का उद्घाटन किया। यह 8,900 करोड़ रुपये की लागत से बना महत्वाकांक्षी बंदरगाह सार्वजनिक-निजी साझेदारी के तहत अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक

» प्रधानमंत्री ने भारत के पहले ट्रांशिपमेंट पोर्ट विजिनजाम का किया उद्घाटन

» यह 8900 करोड़ रुपये की लागत से बना है यह महत्वाकांक्षी बंदरगाह

» सीएम पिनाराई विजयन, कांग्रेस सांसद शशि थरूर व गौतम अडानी की रही मौजूदगी



जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) द्वारा विकसित किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने उद्घाटन पर आयोजित

कार्यक्रम में इसेनए भारत के विकास का प्रतीक बताया और कहा कि पहले भारत के 75 प्रतिशत ट्रांशिपमेंट

विदेशी बंदरगाहों पर होता था, जिससे देश को आर्थिक नुकसान होता था। अब यह स्थिति बदलने वाली है और

आंध्र प्रदेश में 58,000 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास-उद्घाटन

AMRAVATI : शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को यहां 58,000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया, जिसमें नए राजधानी शहर अमरावती का निर्माण फिर से शुरू करना भी शामिल है, जो आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू का ड्रीम प्रोजेक्ट है। प्रधानमंत्री ने 94 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया, जिनमें राजधानी शहर के संस्थान, राष्ट्रीय राजमार्ग, रेलवे उन्त्यन और रक्षा संबंधी प्रतिष्ठान शामिल हैं। अमरावती के निर्माण को फिर से शुरू करने के हिस्से के रूप में, प्रधानमंत्री ने 49,000 करोड़ रुपये की 74 परियोजनाओं की आधारशिला रखी, जिसमें विधानसभा, सचिवालय और उच्च न्यायालय भवनों और न्यायिक आवासीय क्वार्टर के साथ-साथ 5,200 परिवारों के लिए आवासीय भवनों का निर्माण शामिल है। उन्होंने बुनियादी ढांचे और बाढ़ शमन परियोजनाओं की आधारशिला रखी, जिसमें नए राजधानी शहर में भूमिगत उपयोगिताओं और उन्नत बाढ़ प्रबंधन प्रणालियों के साथ 320 किलोमीटर लंबा विश्व स्तरीय परिवहन नेटवर्क शामिल है। इस मौके पर उन्होंने कहा कि वह अमरावती को सिर्फ एक शहर नहीं, बल्कि एक पूरे हुए सपने के रूप में देखते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि अमरावती एक ऐसी जगह है, जहां विरासत और विकास एक साथ चलते हैं।

चेयरमैन गौतम अडानी सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान कटाक्ष करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन से कहना चाहते हैं कि वे विपक्षी हर्डइड्ठ गठबंधन के मजबूत स्तंभ हैं, कांग्रेस सांसद शशि थरूर भी यहां बैठे हैं, आज का कार्यक्रम कई लोगों की रातों की नींद हाराम कर देगा।

अनुवादक ने नहीं कही बात : इसके बाद मलायलम में अनुवादक ने उनकी कही बात का अनुवाद किया। इसमें उसने यह बात नहीं की। इसपर उन्होंने कहा कि अनुवादक इन पंक्तियों का अनुवाद नहीं कर पाए लेकिन संदेश वहीं पहुंच गया है जहां पहुंचना था।

पहलगाम हमला : चार क्रिकेटरों के इंस्टाग्राम अकाउंट भी बंद

भारत ने ब्लॉक किया पाक पीएम का यूट्यूब चैनल

- » खोल दिया गया 30 अप्रैल से बंद वाघा बॉर्डर
- » 21 पाक नागरिकों को देश लौटने की दी गई इजाजत
- » पहलगाम की बायसरन घाटी में एनआईए व फोरेसिक टीम पहुंची जांच करने

NEW DELHI @ PTI : पहलगाम आतंकी हमले के 10 दिनों के बाद शुक्रवार को भारत में बड़ा कदम उठाते हुए पाकिस्तान के साथ तनाव के बीच पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ का ऑफिशियल यूट्यूब चैनल और इंस्टाग्राम अकाउंट ब्लॉक कर दिया। इसके अलावा क्रिकेटर बाबर आजम, हारिस रऊफ, मोहम्मद रिजवान और शाहीन अफरीदी के इंस्टाग्राम अकाउंट भी बंद कर दिए हैं। इस बीच पाकिस्तान ने 2 दिन बाद



वायुसेना ने गंगा एक्सप्रेस वे पर विमानों को उतारने उड़ाने का किया अभ्यास

SHAHJAHANPUR : भारतीय वायुसेना (आईएफ) ने उत्तर प्रदेश के शाहजहापुर जिले में गंगा एक्सप्रेसवे के साढ़े तीन किलोमीटर लंबे हिस्से पर अपना बहुप्रतीक्षित लैंड उड़ गे। विमानों का आगमन और प्रस्थान अभ्यास किया, जो देश की रक्षा तैयारियों के लिहाज से अहम है। इस एक्सप्रेसवे की खासियत यह है कि यह लड़ाकू विमानों को दिन और रात दोनों समय में उड़ान भरने की सुविधा प्रदान करता है। अपनी इस अतुल्य क्षमता के कारण यह देश में इस तरह की पहली हवाई पट्टी बन गई है। अब तक लखनऊ-आगरा और पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर विमानों को उतारने और उड़ाने का इस तरह का आपातकालीन अभ्यास किया जा चुका है। विभिन्न स्कूलों के बच्चे और कुछ स्थानीय लोग भी एक्सप्रेसवे पर विस्मयकारी उड़ान प्रदर्शनों को देखने के लिए एकत्र हुए। इससे पहले जारी एक प्रेस बयान के अनुसार, इस परीक्षण में राफेल, एसयू-30 एमकेआई, मिग-2000, मिग-29, जगुआर व अन्य विमान शामिल हुए।

पहलगाम हमले के बाद सरकार की रणनीति साफ नहीं : खड़गे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कांग्रेस वॉकिंग कमेटी की मीटिंग में कहा कि पहलगाम हमले के बाद सरकार रणनीति तय नहीं कर पा रही, जबकि इस मुद्दे पर पूरा विपक्ष केंद्र सरकार के साथ है। देश के सामने जो भी चुनौतियां हैं, उनका एकजुट होकर मुकाबला किया जाएगा।

छिपे हैं। उनके पास राशन-पानी है, ऐसे में ये इन पहाड़ी इलाकों में लंबे समय तक रह सकते हैं।

जातीय जनगणना की मांग में झारखंड की भूमिका अहम : हेमंत सोरेन

PHOTON NEWS RANCHI :

केंद्र सरकार की ओर से जातीय जनगणना को मंजूरी मिलने के बाद झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पुरानी यादें ताजा करते हुए एक तीखा राजनीतिक संदेश दिया है। उन्होंने 27 सितंबर 2021 की एक अखबार की कटिंग साझा कर उस समय की पहल की याद दिलाई, जब झारखंड सरकार की मांग की थी। केंद्र सरकार द्वारा जातीय जनगणना को मंजूरी देने के बाद सीएम सोरेन ने ट्वीट करते हुए कहा कि देर से आए, लेकिन आना पड़ा। इससे यह समझा जा सकता है कि

उनकी सरकार और झारखंड ने इस ऐतिहासिक फैसले की दिशा पहले ही तय कर दी थी। राजनीतिक जनकारों का मानना है कि सीएम सोरेन का यह बयान सिर्फ खुशी जाहिर करना नहीं है, बल्कि यह भी दिखाता है कि इस फैसले में उनकी सरकार की पहल और दबाव ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

यह था पुराना मामला

बता दें कि 2021 में मुख्यमंत्री सोरेन के नेतृत्व में एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर जातीय जनगणना की मांग को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी के नाम ज्ञापन सौंपा था।



न्यू रिसर्च मेटाजीनोमिक्स व मशीन लर्निंग तकनीकों की ली गई सहायता

प्लास्टिक कचरे को नष्ट करने की वैज्ञानिकों ने खोजी नई तरकीब

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK :

नई तकनीकी और औद्योगिक दौर में वायु, जल और ध्वनि प्रदूषण ही मानव जीवन को नहीं प्रभावित कर रहा, बल्कि प्लास्टिक कचरा भी कई प्रकार से चुनौती खड़ा कर रहा है। वैज्ञानिक रूप से सच्चाई तो यह है कि प्लास्टिक के कारण जल, वायु और भूमि में भी प्रदूषण उत्पन्न हो रहा है। वास्तव में प्लास्टिक की उन चीजों को प्लास्टिक कचरा कहते हैं, जिन्हें या तो ठीक से री-साइकल नहीं किया गया है या जो अवैध रूप से फेंक दी गई हैं। प्लास्टिक कचरा घरो, उद्योगों, और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों से उत्पन्न होता है। इससे मिट्टी की उर्वरता कम हो जाती है और जल के स्रोतों को दूषित किया जाता है। यह पशुओं के लिए भी हानिकारक है, मनुष्य के स्वास्थ्य को तो प्रभावित करता ही है। प्लास्टिक के निर्माण और निपटान से ग्रीनहाउस गैस निकलती है, जो जलवायु परिवर्तन में योगदान देती है। हाल में हुए रिसर्च से यह जानकारी मिली है कि चीनी वैज्ञानिकों ने एक ऐसे एंजाइम को खोज निकाला है, जो प्लास्टिक कचरे को नष्ट करने में मदद कर सकता है।

पीएनएएस नेक्सस नामक जर्नल में प्रकाशित की गई है विस्तृत रिपोर्ट

लगातार प्रयास के बाद अनहुई	एंजाइम व सूक्ष्मजीवों की मदद	घरों, उद्योगों और वाणिज्यिक	लैंडफिल से इकट्ठा किए गए
» विवि व अन्य संस्थानों के शोधकर्ताओं को मिली सफलता	» से प्लास्टिक को तोड़ना और पुनः उपयोग होगा संभव	» प्रतिष्ठानों से उत्पन्न होता है प्लास्टिक कचरा	» प्लास्टिक को तोड़ने वाले बायोकेटैलिटिक एंजाइम

फिर से उपयोग में लाने का कारगर उपाय

शोधकर्ताओं के अनुसार, एंजाइम और सूक्ष्मजीवों की मदद से प्लास्टिक को तोड़ना और पुनः उपयोग में लाना एक कारगर उपाय हो सकता है। अध्ययन में लियान सोंग और उनकी टीम ने मेटाजीनोमिक्स और मशीन लर्निंग तकनीकों की सहायता ली। इनकी मदद से उन्होंने दुनियाभर के लैंडफिल से प्लास्टिक को तोड़ने वाले बायोकेटैलिटिक एंजाइम इकट्ठा किए। बायोकेटैलिटिक एंजाइम प्राकृतिक प्रोटीन होते हैं, जो प्लास्टिक को छोटे और सरल अणुओं में तोड़ते हैं। इससे प्लास्टिक को तेजी से नष्ट करना और री-साइकल करना संभव होता है।



वर्तमान रफ्तार से 2050 तक
» करीब 1100 करोड़ मीट्रिक टन जमा हो सकता प्लास्टिक

भारत और अन्य कई देशों से लिए गए नमूने

शोधकर्ताओं ने ये नमूने चीन, इटली, कनाडा, ब्रिटेन, जमैका और भारत से एकत्र किए हैं। शोधकर्ताओं ने 31989 संभावित प्लास्टिक-ड्रेमिंग एंजाइम को खोजने के लिए मशीन लर्निंग मॉडल का उपयोग किया है। इसके बाद 712 एंजाइमों का गहराई से अध्ययन किया गया, ताकि उनके कार्य और उनसे जुड़े सूक्ष्मजीवों को समझा जा सके। शोधकर्ताओं का मानना है कि इन एंजाइमों में प्लास्टिक नष्ट करने की बड़ी क्षमता है। ये एंजाइम, प्लास्टिक में मौजूद पॉलिमर को छोटे-छोटे मोनोमर्स में तोड़ते हैं। कुछ मामलों में ये प्लास्टिक को 24 घंटे से भी कम वक्त में तोड़कर मोनोमर्स में बदल देते हैं।



और एक उड़ान को अहमदाबाद की ओर मोड़ा गया। कई इलाकों की वीडियो में पेड़ उखड़े हुए और लोग पानी से भरी सड़कों पर फंसे हुए दिखाई दे रहे हैं। सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो सामने आए हैं, जिनमें पानी में आधे डूबे हुए वाहन मिंटो रोड से गुजरते हुए दिखाई दे रहे हैं। मिंटो रोड, आर के पुरम में मेजर सोमनाथ मांग और खानपुर बारिश से खास तौर पर प्रभावित हुए। मौसम विभाग ने दिल्ली के लिए रेड अलर्ट जारी करते हुए लोगों से अत्यधिक सतर्क रहने और आवश्यक सावधानी बरतने का आग्रह किया है।

भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष भारतीय वायुसेना के विमान से वियतनाम पहुंचे

NEWS DELHI : उत्तर प्रदेश के सारनाथ में एक विहार में रखे गए भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष वियतनाम द्वारा आयोजित संयुक्त राष्ट्र दिवस वेसाक के भव्य समारोह के दौरान एक प्रदर्शनी के लिए भारतीय वायुसेना के विमान से शुक्रवार को हो ची मिन्ह सिटी पहुंचे। सरकार ने एक बयान में कहा कि केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू, आंध्र प्रदेश के पर्यटन और संस्कृति मंत्री कंडुला गुंणेश, भारत के प्रतिष्ठित भिक्षु और वरिष्ठ अधिकारी पवित्र अवशेषों के साथ थे, जिन्हें विशेष विमान से ले जाया गया। रिजिजू वियतनाम में सरकारी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं।

समाचार सार

शिव मंदिर के पुजारी को मिली व्हीलचेयर



मजूमदार, सोमेन मिश्रा, विक्रम साव, हीरा सिंह, रणवीर सिंह, रणजीत ठाकुर, जितेंद्र सिंह आदि भी उपस्थित थे।

मऊभंडार के शिविर में 62 यूनिट रक्त संग्रह

GHATSILA : मऊभंडार स्थित आईसीसी वर्कर्स यूनिशन कार्यालय परिसर में गुरुवार को मजदूर दिवस पर रक्तदान शिविर लगाया गया, जिसमें 62 यूनिट रक्त संग्रह हुआ। शिविर का उद्घाटन एचसीएल-आईसीसी के कार्यपालक निदेशक सह

इकाई प्रमुख श्याम सुंदर सेठी ने किया। इस दौरान यूनिशन के अध्यक्ष बीएन सिंहदेव व महासचिव ओमप्रकाश सिंह भी उपस्थित थे।

प्रेस क्लब ऑफ घाटशिला गठित

GHATSILA : मजदूर दिवस पर प्रेस क्लब ऑफ घाटशिला का गठन किया गया। इसमें अध्यक्ष मंतोष मंडल, महासचिव राजेंद्र यादव व कोषाध्यक्ष रविप्रकाश सिंह को बनाया गया है। इसके अलावा प्रत्येक प्रखंड से एक-एक पत्रकार को कार्यकारिणी समिति में स्थान दिया गया है। इसमें संरक्षक व सलाहकार कमेट्री भी बनाई गई है।

अनुकंपा पर छह आश्रितों को मिली नौकरी

JAMSHEDPUR : समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त अनन्य मित्तल की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला अनुकंपा समिति की बैठक हुई। इसमें कुल 14 मामलों को रखा गया, जिसमें 6 मामलों में नियुक्ति के लिए सहमति

प्रदान की गई। इसमें चार आश्रितों को वर्ग-3 में नियुक्ति की सहमति दी गई, जिनमें भास्कर दास, पुत्र स्व. कांचन कुमार दास (शिक्षक), 2. मुस्कान माड्री, पुत्री स्व. लखिन्द्र माड्री (आदेशपाल), 3. शंकर सिंह, आश्रित स्व. पंकी कुमारी (लिपिक), 4. कुणाल सिंह, पुत्र, स्व. दिलीप कुमार सिंह (शिक्षक) शामिल हैं, वहीं वर्ग-4 के लिए रामकृष्ण सरदार, पुत्र, स्व. बवार सिंह सरदार (शिक्षक) एवं तोला साहू, पत्नी, स्व. गौरी शंकर साहू (कल्याण पर्यवेक्षक) शामिल हैं। बैठक में धालभूम की अनुमंडल पदाधिकारी शताब्दी मजूमदार, अपर उपायुक्त भगीरथ प्रसाद, जिला कल्याण पदाधिकारी शंकराचार्य समद, डीईओ मनोज कुमार समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

टाटा स्टील के वीपी चाणक्य चौधरी को दी विदाई

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर हॉर्टिकल्चरल सोसाइटी ने 1 मई को सोसाइटी के कॉन्फ्रेंस हॉल में टाटा स्टील लिमिटेड के पूर्व वाइस प्रेसिडेंट-कार्पोरेट सर्विसेज व संस्था के संरक्षक चाणक्य चौधरी को विदाई दी। इस मौके पर सोसाइटी की अध्यक्ष सुमिता नुपुर, चेयरपर्सन रुचि नरेन्द्रन, उपाध्यक्ष कर्नल अर्नेस्ट पॉल, सचिव अनुराधा महापात्रा, संयुक्त सचिव अश्विनी श्रीवास्तव व जयंत घोष भी उपस्थित थे। रुचि नरेन्द्रन ने कहा कि चाणक्य चौधरी जमशेदपुर के ग्रीनमैन हैं।

जीशान व सादिया बने स्टूडेंट ऑफ द ईयर

CHAKRADHARPUR : मधुसूदन महतो टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, चक्रधरपुर में बीएड एवं डीएलएड सत्र 2022-24 के विद्यार्थियों के लिए शुक्रवार को विदाई समारोह हुआ। इसमें कॉलेज के छात्रों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुति, रैंपवॉक, नृत्य आदि किए। समारोह में स्टूडेंट ऑफ द ईयर का खिताब मो. जीशान अली और सादिया अवसर को प्रदान किया गया। वहीं, मिस्टर फेयरवेल का खिताब पवन यादव एवं मिस फेयरवेल का खिताब प्राप्ति रॉय को दिया गया। इस मौके पर कॉलेज के निदेशक श्यामलाल महतो, प्रिंसिपल इंचांज खुशबू कुमारी व विभागाध्यक्ष सह कार्यक्रम प्रभारी डॉ. शिवप्रसाद महतो ने छात्रों को शुभकामना दी।

टाटा-आसनसोल मेमू 4 दिन आद्रा में होगी शॉर्ट टर्मिनेट

JAMSHEDPUR : आद्रा रेल मंडल में विकास कार्यों को लेकर कई ट्रेनों का परिचालन प्रभावित रहेगा। रेलवे के सकुलर के मुताबिक ट्रेन नंबर - 68056 टाटा-आसनसोल मेमू, 5, 9, 10 और 11 मई को आद्रा में शॉर्ट टर्मिनेट होगी। वहीं दूसरी ओर ट्रेन नंबर-18601 हटिया-टाटा-हटिया मेमू 5,8 और 11 मई को बदले मार्ग से चलेगी। यह ट्रेन पूर्व के रूट के कोडिल-कोटशिला-मुरी के बदले चांडिल-मुंडाबिहार-मुरी होकर चलेगी।

अब अपने कॉलेज में ही सर्टिफिकेट के लिए विद्यार्थी कर सकेंगे आवेदन, जारी हुआ आदेश

डिग्री के लिए छात्रों को नहीं लगाना होगा चाईबासा का चक्कर

PHOTON NEWS JSR : ऐसे छात्र, जिन्होंने कोल्हान विश्वविद्यालय से स्नातक या स्नातकोत्तर कोर्स उत्तीर्ण किया है। उनके लिए अच्छी खबर है। अब इन छात्रों को अपना डिग्री प्राप्त करने के लिए कोल्हान विश्वविद्यालय का चक्कर नहीं लगाना होगा। छात्र अपने कॉलेज के माध्यम से ही डिग्री प्राप्त करने के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसे लेकर कोल्हान विश्वविद्यालय ने नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार कार्यालय की ओर से जारी नोटिफिकेशन में कहा गया है कि सभी संबंधितों को सूचित किया जाता है कि कोल्हान विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को डिग्री प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिए विद्यार्थी द्वारा



आवेदन संबंधित कॉलेज के माध्यम से विश्वविद्यालय में प्राप्त करने की व्यवस्था छात्रों के सुविधा को ध्यान में रखते हुए की गई है। अतः उक्त के आलोक में इच्छुक विद्यार्थी डिग्री

छात्रों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय ने यह फैसला लिया है कि छात्र अपने कॉलेज के माध्यम से ही डिग्री के लिए आवेदन कर सकेंगे। इसके लिए उन्हें विश्वविद्यालय आने की जरूरत नहीं होगी। अलवेदन जमा होने के एक सप्ताह के अंदर कॉलेज की यह जिम्मेदारी होगी कि वे प्राप्त आवेदन विधि को उपलब्ध कराएं।

— डॉ. परशुराम सियाल, रजिस्ट्रार, केयू

भीतर परीक्षा विभाग, कोल्हान विश्वविद्यालय में डिग्री प्रमाण बनाने के लिए जमा करेंगे। मालूम हो कि कोल्हान विश्वविद्यालय में पिछले चार साल से दीक्षांत समारोह

विश्वविद्यालय के इस आदेश का फायदा उन छात्रों को होगा, जिनका कॉलेज चाईबासा से दूर है। इसमें सबसे अधिक छात्र जमशेदपुर के हैं। अभी तक यहां के छात्रों को अपनी डिग्री लेने के लिए चाईबासा स्थित विश्वविद्यालय मुख्यालय में जाकर आवेदन करना पड़ता था। अगर कोई दस्तावेज वे नहीं ले जा सके, तो उन्हें पुनः उसे जमा करने के लिए विश्वविद्यालय जाना पड़ता था और इसके बाद जब डिग्री बनती थी, तब भी चाईबासा जाना होता था। ऐसे में छात्र को अपनी डिग्री लेने के लिए कई बार जमशेदपुर से चाईबासा का चक्कर काटना पड़ता था। लेकिन, विश्वविद्यालय के इस नए आदेश से छात्रों को विश्वविद्यालय का चक्कर नहीं काटना होगा और कॉलेज के माध्यम से ही वे डिग्री के लिए जमशेदपुर से ही आवेदन कर पाएंगे।

आयोजित नहीं हुआ है। इसकी वजह से पिछले चार सत्र के लाखों छात्रों को डिग्री नहीं मिली है। अगर किसी छात्र को डिग्री लेनी भी होती है, तो उसे कोल्हान विश्वविद्यालय में

जाकर आवेदन करना होता है और फिर इसके दो से ढाई महीने बाद उसे डिग्री मिलती है। लेकिन, इस आदेश के बाद छात्रों को 15 से 20 दिन के अंदर प्रमाणपत्र मिल जाएगा।

संदेहास्पद स्थिति में सुंदर लोहार का शव बरामद, पत्नी पर हत्या का आरोप

शरीर पर जगह-जगह मिले चोट के निशान, पुलिस ने कहा-हर एंगल से होगी जांच

● पत्नी ने कहा-वह दूसरे कमरे में सो रही थी, सुबह देखा खून से लथपथ लाश



मृतक की फाइल फोटो

परवेज आलम से इलाज कराकर स्वस्थ हो चुका था। उसके दो बच्चे हैं, जो शहर से बाहर बोर्डिंग स्कूल में पढ़ते हैं। संतोष ने आशंका जताई है कि सुंदर की पत्नी का किसी अन्य व्यक्ति से प्रेम

संबंध था। आशंका है कि उसी ने प्रेमी के साथ मिलकर सुंदर की हत्या कराई है। इस संबंध में थाना में लिखित शिकायत भी दर्ज कराई है। वहीं मृतक की पत्नी ने इन आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि वह पति से अलग दूसरे कमरे में सो रही थीं। सुबह जब उठी, तो देखा कि सुंदर खून से लथपथ फर्श पर पड़ा है और पूरे कमरे में खून फैला हुआ है। उसे इस बात की जानकारी नहीं है कि यह सब कैसे हुआ।

शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने के आरोप में दो को जेल



पत्रकारों को मामले की जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी

● फोटोन न्यूज

SERAIKELA : सरायकेला-खरसावां जिले के आमदा ओपी क्षेत्र में शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने के आरोप में पुलिस ने मुख्य आरोपी और उसके सहयोगी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, खरसावां प्रखंड के कृष्णापुर गांव निवासी राहुल महतो एक महिला के साथ शादी का

झांसा देकर लगातार शारीरिक संबंध बना रहा था। जब महिला ने शादी का दबाव दिया, तो वह इसका विरोध करने लगा। बाद में पीड़ित महिला ने 29 अप्रैल को खरसावां थाना में दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया। इस मामले में पुलिस ने राहुल महतो व उसके सहयोगी तारिणी महतो को गिरफ्तार कर लिया।

इयूटी के दौरान ट्रेन की चपेट में आकर ट्रैक मेंटेनर की मौत

CHAKRADHARPUR : दक्षिण पूर्व रेलवे जोन अंतर्गत चक्रधरपुर घटनाओं को देखते हुए जुगसलाई में महाकालेश्वर छठ घाट के पास टीओपी बनाने की मांग की गई है। स्थानीय निवासियों ने सांसद से अनुशंसा कराकर उपायुक्त को ज्ञापन भी सौंपा है। बताया जाता है कि महाकालेश्वर छठ घाट खरकई नदी के तट पर है।



घटनास्थल पर मौजूद लोग

पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी चक्रधरपुर रेल मंडल में कई ट्रैक मेंटेनरों की मौत इसी तरह हुई है। गौरतलब है कि ट्रैक मेंटेनर रेल पटरियों की निगरानी और सुरक्षा के लिए नियमित पेट्रोलिंग करते हैं, लेकिन इस दौरान ट्रेनों का आवागमन जारी रहता है, जिससे उनकी जान जोखिम में पड़ जाती है। घटना के बाद ट्रैक मेंटेनरों में आक्रोश और चिंता का माहौल है।

महाकालेश्वर घाट के पास टीओपी बनाने की मांग

JAMSHEDPUR : हाल के दिनों में बढ़ती आपराधिक घटनाओं को देखते हुए जुगसलाई में महाकालेश्वर छठ घाट के पास टीओपी बनाने की मांग की गई है। स्थानीय निवासियों ने सांसद से अनुशंसा कराकर उपायुक्त को ज्ञापन भी सौंपा है। बताया जाता है कि महाकालेश्वर छठ घाट खरकई नदी के तट पर है।

अकाउंटेंट पर 6.24 लाख रुपये अवैध निकासी का लगा आरोप

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के झारखंड शिक्षा परियोजना में भ्रष्टाचार का एक और मामला सामने आया है। इस बार यह मामला सोनुवा प्रखंड की अकाउंटेंट रोमा चक्रवर्ती से जुड़ा है, जिस पर 6 लाख 24 हजार रुपये की अवैध निकासी का आरोप लगा है। इस मामले में उपायुक्त के साथ-साथ राज्य के मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री और राज्यपाल के प्रधान सचिव को शिकायत पत्र भेजा गया है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि लेखापाल ने विद्यालयों के ईको क्लब और पीटीएम मद की राशि गलत तरीके से निकाली है। दावा किया गया है कि शिक्षकों द्वारा दिए गए वेंडरों के बिल को अमान्य बताते हुए अपने पसंदीदा वेंडर के बिल पर जबरन हस्ताक्षर करवाए गए और फिर पीएफएमएस पोर्टल

● ईको क्लब व पीटीएम की राशि में गड़बड़ी का मामला

पर खुद ही बिल अपलोड कर राशि की निकासी कर ली। शिकायत में यह भी कहा गया है कि इस निकासी की जांच पीएफएमएस पोर्टल पर किए गए लॉगिन और आईपी एड्रेस से की जा सकती है। कहा गया कि जब शिक्षकों ने अपने स्कूलों के इको क्लब और पीटीएम की राशि की मांगी तो उन्हें यह कहकर टाल दिया गया कि राशि लैप्स हो चुकी है। इतना ही नहीं, विद्यालयों को मिलने वाली अनुदान राशि में भी अनियमितता बरती गयी है। आरोप है कि लेखापाल द्वारा प्रत्येक विद्यालय को 4 से 8 हजार रुपये से लेकर 25,000 रुपये तक की राशि का भुगतान मनमाने ढंग से किया गया।

कुष्ठ रोगियों को योजना से वंचित रखना गलत : आयोग



कुष्ठ उन्मूलन पर बैठक करते राष्ट्रीय व प्रदेश स्तरीय टीम के सदस्य

GHATSILA : अनुमंडल अस्पताल, घाटशिला में शुक्रवार को कुछ उन्मूलन को लेकर राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तरीय टीम पहुंची। क्षेत्र में कुष्ठ रोगियों के संबंध में विस्तृत जानकारी ली गई। टीम में शामिल राष्ट्रीय मान्य अधिकार आयोग के स्पेशल मॉनिटर डॉ. प्रदीप कुमार नायक, राज्य कुष्ठ निवारण पदाधिकारी डॉ. अनिल कुमार एवं जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी डॉ. मृत्युंजय धावड़िया ने अनुमंडल अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. आरपू सोरेन से जानकारी ली। इस दौरान डॉ. नायक ने कहा कि कुष्ठ रोगियों को सरकारी योजनाओं से वंचित रखना मानवाधिकार का उल्लंघन है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने 2027 तक देश से कुष्ठ रोग मिटाने का लक्ष्य रखा है। इसी के तहत झारखंड समेत अन्य 6 राज्यों का दौरा किया गया है। उन्होंने कहा कि झारखंड में कुष्ठ रोगियों की संख्या काफी है। सरकार के विभिन्न विभागों में कुष्ठ रोगियों के लिए लगभग 100 योजनाएं चल रही हैं। इसके लिए सरकार के तमाम विभाग जिम्मेदार हैं। गरीब लोगों को ही यह बीमारी होती है। डॉ. धावड़िया ने बताया कि पूरे जिले में 383 मरीज इलाजरत हैं, जबकि घाटशिला प्रखंड में 40 लोगों का इलाज चल रहा है।

मजदूर ने घर में फांसी लगाकर दे दी जान



CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले में मजदूर दिवस के दिन झोंकपानी के सुरजाबासा गांव में 20 वर्षीय हरीश देवगम ने अपने घर में फांसी लगाकर जान दे दी। वह गुजरात में एक फैक्ट्री में मजदूरी करता था। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतारा और पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल चाईबासा भेज दिया। मृतक अपनी पत्नी के साथ रहता था। पति की मौत से पूरा परिवार टूट गया है। पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है। वह लगातार यही कह रही हैं कि अब कैसे रहेंगे, कौन सहारा बनेगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है। अभी तक आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। झोंकपानी थाना की पुलिस मामले की जांच-पड़ताल कर रही है।

डिवाइडर से टकराकर ट्रैलर पलटा, चालक की हुई मौत

GHATSILA : पूर्वी सिंहभूम जिले के धालभूमगढ़ थाना क्षेत्र में ट्रैलर पलटने से उसके चालक की मौत हो गई। यह घटना शुक्रवार की सुबह गजानंद फेरो कंपनी के समीप हुई। बताया जाता है कि ट्रैलर अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई थी। घटना की सूचना मिलते ही धालभूमगढ़ थाना की पुलिस ट्रैलर चालक को लेकर अनुमंडल अस्पताल घाटशिला पहुंची, जहां पंचनामा के बाद शव को रखा गया है। पुलिस ट्रक के चालक का नाम और पता खोज रही है। बताया जाता है कि ट्रैलर पर बोकारो स्टील प्लांट की लोहे का चदरा लदा था, जिसे कोलकाता ले जाया जा रहा था। सड़क के बीचों-बीच ट्रैलर के पलट जाने से कोलकाता की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार,



अनुमंडल अस्पताल में लाया गया शव

ट्रैलर को धक्का मारते हुए एक झोपड़ी में घुस गई। हालांकि, कार में सवार किसी भी व्यक्ति को ज्यादा चोट नहीं लगी है। इस दुर्घटना में झोपड़ी तथा कार क्षतिग्रस्त हो गई है। मृतक की पहचान संजय कुमार प्रसाद (42), निवासी विठान गांव, थाना बसंत्पुर, जिला सिवान, बिहार के रूप में हुई। हादसे के वक्त खलासी नहीं था।

बंगाल सीमा के नुआगांव जंगल में मिला महिला का शव

DHALBHUMGARH : पूर्वी सिंहभूम जिले के धालभूमगढ़ थाना क्षेत्र स्थित पश्चिम बंगाल सीमा के नुआगांव जंगल में शुक्रवार को अज्ञात महिला का शव मिला है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडल अस्पताल घाटशिला भेज दिया है। आसपास के गांव में महिला की शिनाख्त करने के लिए लोगों से पूछताछ की गई, मगर किसी ने भी शव की पहचान नहीं की। अंदाजा लगाया जा रहा है कि महिला किसी दूसरे गांव की थी। किसी ने हत्या कर शव को जंगल में फेंक दिया है। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।



बीज और बीज जनित रोगों का चोली दामन का साथ है अधिकांश बीमारियाँ बीजारूढ़ होती है जिनके नियंत्रण से बुआई पूर्व ही लाभ हो जाता है।

समुचित कटाई व्यवस्था एवं सुरक्षित भंडारण

फसल की कटाई अगर सही समय पर की जाये तो स्वस्थ एवं रोग रहित बीज प्राप्त किया जा सकता है। कटाई से पूर्व किसान भाई अवांछित खरपतवार एवं उसी फसल की दूसरी किस्मों को तथा रोग्रस्त पौधों को अलग करके फसल की कटाई करें, कटाई के समय बीज में नमी का भी सही स्तर होना आवश्यक है, यदि बीज ज्यादा सूख जाता है तो दाबन के समय वह चोटिल हो जाता है और उगने में सक्षम नहीं रहता है, इसी प्रकार जरूरत से ज्यादा नमी होने पर बी के ऊपर फफूंद लगाने का भय रहता है, कटाई के पश्चात बीज को आधुनिक भंडारगृह में 8-8-5 प्रतिशत नमी पर भंडारित करना चाहिए।



इस विधि में विभिन्न तीव्रता की अल्ट्रावयलेट या एक्स किरणों को अलग-अलग समय तक बीजों पर गुजारा जाता है जिससे रोगजनक नष्ट हो जाते है।

रसायनिक बीजापेचार

इस विधि में रसायनिक दवाओं का प्रयोग किया जाता है ये दैहिक या अदैहिक फफूंदनाशक या एण्टीबायोटिक हो सकते हैं यह रसायनिक फफूंदनाशक बीज के अंदर अवशेषित होकर अंतः बीज जनित रोगाणुओं को नष्ट करते हैं या यह एक संरक्षक कवच के रूप में बीज के चारों ओर एक घेरा बना लेते हैं जिससे बीज पर रोगाणुओं का संक्रमण नहीं हो पाता, फफूंदनाशक को बीजोपचारक के रूप में सर्वप्रथम 1760 में प्रयोग किया गया शुल्येश ने सर्वप्रथम गेंजु के कंडव रोग से बचाने हेतु कॉपर का प्रयोग किया 1913 में रहिन ने आर्गेनिक पारायुक्त फफूंदनाशक को बीजोपचारक के रूप में प्रयोग करने की सलाह दी। सन 1941 में हैरिंगटन ने घास (भान) रोग की रोकथाम के लिए थाइरम का उपयोग किया, सन 1952 में कैप्टन को बीजरक्षक फफूंदनाशक के रूप में उपयोग किया गया। सन 1968 में बेर्नमिल की सर्वांगी फफूंदनाशक के रूप में खोज के पश्चात इस क्षेत्र में एक नये युग की शुरूआत हुई। तत्पश्चात कार्बोक्सिन, मेटालेक्सिन व दूसरे सर्वांगी फफूंदनाशक जैसे-थायरम, कैप्टान, एग्रीसान, डायथेन एम-45, डायफोलेटॉन की 2-5 से 3-0 ग्राम मात्रा जबकि दैहिक फफूंदनाशकों जैसे-कार्बोन्डाजिम, बीटावैक्स, वेनलेट, बेनोमिल की 1-5 से 2-0 ग्राम मात्रा प्रति किलोग्राम बीज के उपचार के लिए पर्याप्त होती है, फफूंदनाशक दवाओं से बीजोपचार मुख्यतः निम्न विधियों से किया जाता है

सूखा उपचार

यह विधि सोयाबीन, ज्वार, मूंगफली, उड़द, मूंग, अरहर, सूर्यमुखी, गेहूँ, चना, अलसी, सरसों आदि के लिए उपयुक्त हैं। बीजोपचार के लिए बीज तथा फफूंदनाशक दवा की उपयुक्त मात्रा को बीजोपचार ड्रम या मिट्टी के घड़े में डालकर 10 मिनट तक घुमाते है।

गीला उपचार

यह विधि प्रायः ऐसी फसलों के लिए प्रयोग में लाई जाती है जिसके कंद तथा तना आदि बीज के रूप में प्रयोग किये जाते हैं जैसे-गन्ना, आलू, अदरक, हल्दी, लहसुन, अरबी आदि बीजोपचार के लिए आवश्यक मात्रा में पानी व दवा का घोल बनाकर उसमें 10 मिनट तक बीज को डुबोकर रखते फिर बोनी करते है।

स्लीरी विधि

यह एक व्यापारिक विधि है जिसमें बड़े स्तर पर बीजोपचार करते हैं इस विधि में कवकनाशी की निर्धारित मात्रा का गाढ़ा पेस्ट बनाकर बीज की मात्रा के साथ अच्छी तरह से मिलाया जाता है व अच्छी तरह से मिलाया जाता है व अच्छी तरह सुखाने के पश्चात् बीज को बेचने के लिए पैक कर संग्रहित करते हैं।

धूम्रीकरण

बीजजन्य रोगों के नियंत्रण हेतु यह एक अच्छी विधि है इस विधि में सोयाबीन के बीजों को फार्मैलिडहाइड के साथ 2 घंटे तक या हाइड्रोजोइक अम्ल को 53 घंटे तक धूम्रीकृत करने से 80 प्रतिशत तक जीवाणु मुक्त बीज मिलते हैं।

जैविक बीजोपचार

यह कवकीय या जीवाणुवीय उत्पति के होते हैं जो कि पीथियम,

अनाज के सुरक्षित भण्डारण के उपाय

नरेन्द्र कुमार एवं विवेक कुमार कीट विज्ञान विभाग एवं उद्यान विज्ञान विभाग

विद्यावाचस्पति शोध अग्र, राजस्थान कृषि अनुसन्धान संस्थान, दुर्गापुरा जयपुर श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोधनर राजस्थान

फसलों की कटाई के बाद सबसे जरूरी काम अनाज भंडारण का होता है। अनाज के सुरक्षित भंडारण के लिए वैज्ञानिक विधि अपनाने की जरूरत होती हैए जिससे अनाज को लंबे समय तक चूहेए कीटोए नमीए फफूंद आदि से बचाया जा सके। भण्डारण की सही जानकारी न होने से 10 से 15 प्रतिशत तक अनाज नमीए दीमकर घुनए बैक्टीरिया द्वारा नष्ट हो जाता है। अनाज को रखने के लिए गोदाम की सफाई कर दीमक और पुराने अवशेष आदि को बाहर निकालकर जलाकर नष्ट कर दे। दीवारों, फर्श एवं जमीन आदि में यदि दराह हो तो उन्हे सीमेंटए ईट से बंद करे दें। टूटी दीवारों आदि की मरम्मत करा दें।

भण्डारण में होने वाली इस क्षति को रोकने के लिए किसान सुझावों को ध्यान में रखकर अनाज को भण्डारित कर सकते हैं। अनाजों को अच्छी तरह से साफ-सुथरा कर धूप में सुखा लेना चाहिए, जिससे कि दानों में 10 प्रतिशत से अधिक नमी न रहने पाए। अनाज में ज्यादा नमी रहने से फफूंद एवं कीटों का आक्रमण अधिक होता है। अनाज को सुखाने के बाद दांत से तोड़ने पर कट की आवाज करें तो समझना चाहिए कि अनाज भण्डारण के लायक सूख गया है। इसके बाद अनाज छाया में रखने के बाद ठंडा हो जाने के बाद ही भण्डार में

रखना चाहिए।

भंडारण के लिए तैयार करें लकड़ी और तख्ते का मंच: अनाज से भरे बोरे को भण्डार गृह में रखने के लिए फर्श से 20 से 25 सेमी की ऊंचाई पर बांस या लकड़ी के तख्ते का मंच तैयार करना चाहिए, जो दीवार से कम-से-कम 75 सेमी की दूरी पर हो। बोरियों के छिल्लियों के बीच भी 75 सेमी खाली स्थान रखना फायदेमंद होता है। गोदाम में पक्षियों एवं चूहों के आने-जाने के रास्ते को बंद कर देना चाहिए।

अनाजों व दालों का भंडारण

कुछ पारंपरिक अन्न भंडारण के तरीके जैसे आनाजों व दालों के कड़वा तेल लगानाए राख मिलानाए नीम, लहसुन व करंज के पत्ते कोठी में बिछाना, सूखे हुए लहसुन के डंठल रखना आदि। अनुसंधानों द्वारा यह पाया गया कि परंपरागत तरीके से आनाज व दालों में 10-20 प्रतिशत तक राख मिलाने से वो खराब नहीं होते पर आवश्यक है कि राख को छानकर व सुखा कर ही डाला जाय। राख की साइं खाकर कीड़े मर जाते और दानों के बीच की जगह जहां हवा हो सकती है, वहां राख आ जाने से हवा नहीं रहती। इस प्रकार राख मिलाना लाभप्रद होता है।

भंडारण करने से पहले यह सावधानियां जरूरी

■ अनाज भरे बोरे को छिल्लियों या अन्न के ढेर को प्रधूमित करने के लिए

राइजोक्टोनिया, फ्युजैरियम, फाइटोफ्थोरा स्केलेरोशियम, मैक्रोफोमिना इत्यादि होने वाली विभिन्न बीमारियाँ जैसे-जड़ गलन, अंद्रगलन, उकटा, बीज सड़न, अंगमारी आदि को नियंत्रित करते हैं, जैव नियंत्रण हानिकारक कवकों के लिए या तो स्थान, पोषक पदार्थ, जल, हवा की कमी कर देते हैं या फिर रोगजनक के शरीर से चिपककर उसकी बाहरी परत को कुछ प्रति जैविक पदार्थ द्वारा उपयोग कर लेते हैं जिससे रोगकारक जीव नष्ट हो जाता है। ट्राइकोडर्मा प्रजाति, वैसिलस सबटिलिस, स्यूडोमोनास प्रजाति, ग्लोमस प्रजाति प्रमुख जैव नियंत्रण हैं जिनकी 4-5 ग्राम मात्रा बीजोपचार के लिए पर्याप्त है।

स्वयं बीज का उत्पादन कैसे करें किसान

कृषक यदि अपना स्वयं का बीज तैयार करें तो वह बहुत सी समस्याओं से बचकर कम लागत में अधिक आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकता है:

रकबा व क्षेत्र का चुनाव

किसान भाई जितने क्षेत्र में फसल उगाना चाहें उसके दशवें भाग में बीजोत्पादन करना चाहिए अर्थात यदि 10 एकड़ की फसल के लिये बीज तैयार करना हो तो एक एकड़ जमीन में बीज बोने की जरूरत होगी। बीजोत्पादन हेतु ऐसा खेत चुने जिसमें मिछले सीजन में वह फसल न उगाई गई हो, खेत अच्छी तरह समतल हो, मिट्टी उपजाऊ तथा कार्बनिक पदार्थों से पूर्ण हो जैसे-हरी खाद, गोबर खाद, वर्मी कम्पोस्ट आदि खेत सिंचित हो तो अच्छा रहेगा।

भूमि की तैयारी एवं किस्म का चुनाव

फसल की कटाई के उपरांत फसल के अवशेषों को खेत से हटा देना चाहिए, तीन-चार जुताई करके खेत को मिट्टी भुरभुरी कर लेना चाहिए, खेत में पानी का भराव नहीं होना चाहिए।

बीज-बीज उत्पादन के लिए किस्म का चुनाव भौगोलिक क्षेत्र की कृषि-जलवायु के अनुकूल होना चाहिए। बोये जाने वाले बीज की अनुवांशिक शुद्धता व बीज की अन्य गुणवत्ता विश्वसनीय व प्रमाणित होनी चाहिए एवं किसान भाई ‘आधार बीज’ का उत्पादन करना चाहते हैं, तो उसके लिये ‘प्रजनक बीज’ की बुवाई की जाती है तथा यदि किसान भाई ‘प्रमाणित बीज’ का उत्पादन लेना चाहते हो तो बीज के लिये ‘आधार बीज’ बोना चाहिए, किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज उपलब्ध कराने के उद्देश्य कराने के उद्देश्य से बीज का प्रगुणन चार चरणों में किया जाता है जो इस प्रकार है

अंकुरण की जांच एवं बीजोपचार

बीज का उपचार थीरम तथा वाक्विस्टीन (1:1) कवकनाशियों से 3 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से करें, इसके बाद राइजोवियम कल्चर तथा पी.एस.बी. का भी प्रयोग किया जाना चाहिए, इनकी दर 5 ग्राम प्रति किलो बीज के हिसाब से रखना चाहिए।

बुवाई-बीज उत्पादन हेतु फसल की बुवाई सही समय पर होनी चाहिए, निर्धारित कतार में ही करें साथ ही लाइन व पंक्ति की दूरी फसल के अनुरूप होनी चाहिए।

खाद तथा उर्वरक

बीज की गुणवत्ता तथा भूमि की भौतिक दशा बनाये रखने के लिये 10-15 टन गोबर की खाद या कम्पोस्ट प्रति हेक्टर की दर से हर तीसरी वर्ष डालना चाहिए, उर्वकों का प्रयोग मृदा परीक्षण के आधार पर संतुलित मात्रा में करना



एल्युमिनियम फॉस्फाइड का पाउच आवश्यकतानुसार रखकर पॉलीथीन चादर से अच्छी तरह ढक कर उसके किनारे को सतह के साथ गीली मिट्टी से वायुरुद्ध कर देना चाहिए।

■ चूहों से बचाने के लिए एक ग्राम ज़िंक फॉस्फाईड और उन्नीस ग्राम सत्तू या आटा में थोड़ा सरसों तेल मिलाकर एवं लगभग 10 ग्राम की गोली बनाकर चूहों के आनेजाने के रास्ते पर गिनती में रख देना चाहिए।

■ खुले हुए अनाज पर कीटनाशी नहीं रखना चाहिएए चूहा शंकालु प्रवृत्ति का होता है। इसलिए बदलबदल कर विषाक्त चाराए चूहेदानी एवं टिकिया को रखना चाहिए। दवा अनाज में देने के बाद हाथ साबुन से अच्छी तरह धो लेना चाहिए।

■ पुराना आनाज एवं भूसा इत्यादि को निकल कर एक महीने पहले सफाई कर चूहों द्वारा किए गए छेद एवं अन्य टूटफूट की मरम्मत कर नीम की पत्ती का प्रधुमन करके अच्छी तरह से भण्डारण को बंद कर देंए जिसमें छुपे हुए भण्डारण कीट नष्ट हो जाए एवं अन्य भण्डारण बोरी को खीलती नीम की पत्ती वाले पानी में शोधित कर अच्छी तरह सुखा ले।

■ अन्न का भंडारण करते समय हवा के रुख को अवश्य ध्यान रखे अगर पुरवा हवा चल रही होए तब अन्न का भंडारण न करें। अनाज भंडारण में

बीजोपचार के लिए अनुशंसा

सस्य फसलें

क्रमांक	फसल	रसायन का नाम	रसायन मात्रा ग्राम किग्रा
		सस्य फसलें	
1	धान	बाक्विस्टिन / थायरम	1 : 2
2	गेहूँ	विटावैक्स /रैक्सिल	2.5 /1.5
3	मक्का	थायरम / कैप्टान	3
4	अरहर, चना, मूँग, सनई	बाक्विस्टिन / थायरम	3
5	आलू	साफ / कम्पेनियन	2
6	मसूर	बाक्विस्टिन / थायरम	2 / 3
7	सरसों	बाक्विस्टिन / थायरम	2 / 2
8	मूँगफली	बाक्विस्टिन / थायरम	2 / 2

शाक दृ सब्जियाँ

1	मटर एवं अन्य फलीदार सब्जियाँ	कैप्टान / थायरम	3
2	भिण्डी	कैप्टान / थायरम	3
3	बैंगन	थायरम /बाक्विस्टिन	3 / 2
4	मिर्ची	बाक्विस्टिन	2
5	गोभी	बाक्विस्टिन	2
6	टमाटर एवं पत्तीदार सब्जियाँ	बाक्विस्टिन	2
7	गाजर, प्याज, मूली एवं शलजम	बाक्विस्टिन	2
8	बीन फलियाँ	बाक्विस्टिन	2

चाहिए। पौधों की वांछनीय वृद्धि के लिए उर्वरकों को भूमि में 5-7 सेमी? की गहराई पर बीज के नीचे डालना चाहिये।

जल प्रबंधन

आवश्यकता से अधिक पानी को खेत में अति शीघ्र निकाल देना चाहिए, निम्न अवस्थाओं में पानी की कमी होना सबसे हानिकारक होता है, जैसे-अंकुरण की अवस्था, फूल आने पर, फली बनने पर व दाना भरने की अवस्था में यदि पानी की कमी होगी तो बीज की गुणवत्ता खराब होगी।

विभिन्नता दिखाने वाले पौधों को पहचानना व निकालना

बीज की जातीय शुद्धता बनाये रखने के लिए फसल का समय-समय पर सावधानीपूर्वक निरीक्षण करते रहना चाहिए। यदि फसल के अंदर कोई अन्य जाति या किस्म के पौधे उग आये हो अथवा रोग व कीटग्रस्त पौधों को निकालते रहे, जिस किस्म का बीजोत्पादन कर रहे हैं, उसके पौधों के गुणों से भिन्न गुणों वाले पौधों को फूल आने के पूर्व या फूल आते ही निकाल देना चाहिए। साथ ही फसल में किसी प्रकार के खरपतवार भी नहीं चाहिए।

कटाई व गहाई

फसल की कटाई समय पर ही करनी चाहिए, समय से पहले कटाई करने से बीज सिकुड़े हुए झुरीदार व दाने हरे बनने की समस्या होती है, जबकि देर से कटाई करने पर फली चटखने की सम्भावना रहती है। कटाई के समय 95 प्रतिशत फल्लियाँ पकी होनी चाहिए। फसल की गहाई जिस स्थान अथवा यंत्र से करें उसे भली-भाँति साफ कर लें ताकि दूसरे किस्म के बीज न मिल पाये। बीज को सुखाने, सफाई व श्रेणीकरण (ग्रेडिंग) पक्के फर्स या त्रिपाल पर करें, बीज को 2-3 दिन धूप में सुखायें जिससे उपर्युक्त नमी हो जाये। परन्तु बीज को कभी भी सीधे सूर्य के प्रकाश में अधिक तापमान पर न सुखायें, बीज को अच्छी तरह साफ करें, फल्लियों व पौधों के टुकड़े मिट्टी, कंकड़, खरपतवार के बीज, टूटे-फूटे बीज आदि निकाल देना चाहिए। इसके पश्चात मशीन या हाथ के छलनी से श्रेणीकरण (ग्रेडिंग) करें तथा हल्के सुकड़े तथा रोगग्रस्त बीज निकाल दें।

बीजोपचार

स्वस्थ एवं नीरोग बीज के द्वारा ही फसलों का वांछित उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। बीजों को अस्वस्थ करने वाले कारकों में कवक, जीवाणु तथा सूत्रकृमि मुख्य हैं। बहुत से रोगों के जनक बीज के साथ, बीज की सतह पर या बीज के अन्दर रहते हैं तथा बीज को अस्वस्थ कर देते हैं। रोगी बीज का जमाव कम होता है तथा बीज के साथ रोगजनक एक जगह से दूसरे जगह आसानी से पहुँच जाते हैं। प्रमाणित बीजों का प्रयोग करने या बीजोपचार द्वारा फसल को बीजजनित रोगों से प्रारंभिक अवस्था में बचाया जा सकता है। रासायनिक बीजोपचार द्वारा बीजजनित रोग जनकों के नियंत्रण के साथ-साथ फसल की प्रारंभिक अवस्था में लगने वाले मृदाजनित रोगों से भी सुरक्षा मिलती है तथा जमाव अच्छा होता है। बीजोपचार सस्ता एवं सुविधाजनक भी हैं बीजोपचार अवश्य करना चाहिए। रसायन उपचारित बीज को कभी भी जानवरों या मनुष्यों को नहीं खिलाना चाहिए तथा बीजोपचार करने के लिए प्रयुक्त ड्रम या बर्तन को कभी भी पानी या अनाज रखने के लिए प्रयोग न करें। कुछ प्रमुख फसलों के लिए राष्ट्रीय बीज निगम द्वारा अनुशंसित बीजोपचार के लिए अपेक्षित मात्रा नीचे दी जा रही है।

नीम की पत्ती का प्रयोग करते समय नीम पत्ती सूखी होनी चाहिए। इसके लिए नीम पत्ती को भण्डारण से 15 दिन पहले किसी छायादार स्थान पर कागज पर रख कर सुखा ले उसके बाद अन्न की बोरी में रखे।

भंडारण गृह में न हो सीलन

भण्डारण के लिए वैसे भण्डार गृह का चयन करना चाहिए, जहां सीलन नमी न हो एवं चूहों से अन्न का बचाव किया जा सके। भण्डार-गृह हवादार हो एवं जरूरत पड़ने पर वायु भी किया जा सके। भण्डार से पूर्व पक्का भण्डार गृह एवं धातु की कोटियों को साफसुथरा कर लेना चाहिए एवं कीटमुक्त करने के लिए मेलाथियान 50 प्रतिशत का पानी में 1रू100 में बने घोल को दीवारों एवं फर्श पर प्रति एक सौ वर्ग मीटर में तीन लेयर घोल की दर से छिड़काव करना चाहिए। बोरियों में अनाज भर कर रखने के पहले इन बोरियों को 20-25 मिनट तक खीलते पानी में डाल देना चाहिए। इसके बाद धूप में अच्छी तरह सूखा देना चाहिए अथवा छिड़काव के लिए बने मालाथियान 50 प्रतिशत के घोल में बोरियों को डुबाकर फिर बाहर निकालकर सुखा लेना चाहिए। ठीक से सूख जाने के बाद ही उसमें अनाज भरना चाहिए।

Navigating IIT dream

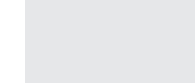
A teenager studying for 12-14 hours a day at a coaching centre hopes to get into the best engineering college and land a job in a multinational company. The sheer joy of getting into an IIT makes all the hard work worth it. The well-oiled machine, perfect in calculations, is now well on its way to success. Yet, even before the sheen wears off, the machine starts stuttering, struggling to cope with falling grades and a wearying knowledge of a growing burden. The setting up of a national task force by the Supreme Court in March to investigate the suicides is a recognition of the pressures that students face as they fight to stay in the race. Stepping into the competitive world reveals the baggage of every student — a huge financial and emotional investment that builds on the dream of a powerful future. However, while admission to an IIT is seen as a sure ticket to success, what the student faces, once in, is a microcosm not very different from the world outside. While accusations of casteism, language barriers and social isolation lurk in most corridors, a life snuffed out after months of silent cries for help reflects the effect of the aspirational burden on critical thinking and basic life skills. The result? Committees that highlight individual mental health problems while giving a clean chit to the structure that fails to identify such problems in the first place. Many IITs have a psychiatrist and a counsellor who advise students, but the grades do not reflect the development needed. The recent suicide by a BTech student at IIT-Ropar highlights the plight of students who give in to the pressures.

Statistics reveal that most students who opted out of life belonged to marginalised sections of society and failed to achieve grades that would attract the best in the corporate world. It would generally leave you with a huge debt and the social ostracisation of being at the bottom would mean that you were no longer part of the elite. What is worrisome is the lack of support. An RTI filed by Dheeraj Singh, founder of the Global IIT Alumni Support Group, in 2023 revealed that more than 115 students had died by suicide in IITs since 2005. What leads to students taking the extreme step? Is it more a cry for help than a genuine desire to give up? However, suicide is usually a spontaneous action, which many regret, albeit too late. "I hope my life is saved," the student admitted to the PGIMER, Chandigarh, whispered in his final days.

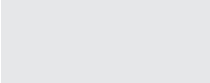
Struggling alone becomes a causal factor to obfuscate rational decision-making. It is critical to identify the problem at this stage. While the JEE Mains is now conducted in 13 languages, once the student is admitted to BTech, he is expected to be on a par with his peers fluent in English. A general language course rarely helps a student for whom the extra year of study is also a burden in terms of opportunity cost. A few private universities do invest in a language trainer. However, lack of empathy for students on the margins makes the "reserved category" a pejorative identity marker.

Another factor is individual resilience. For most students, engineering is a ticket for social mobility. It is the vulnerable few who need help. Academic pressure is compounded by expectations, and the inherent hierarchy that marks colleges in India can crush the softer spirit. Mental health surveys would identify dangers.

Is the performance tracked of candidates who took the exam in native languages? Is there equity in placements? Should there be a minimum grade in English for admissions? How far does the system build resilience? The government must consider these questions. For, students are our assets.



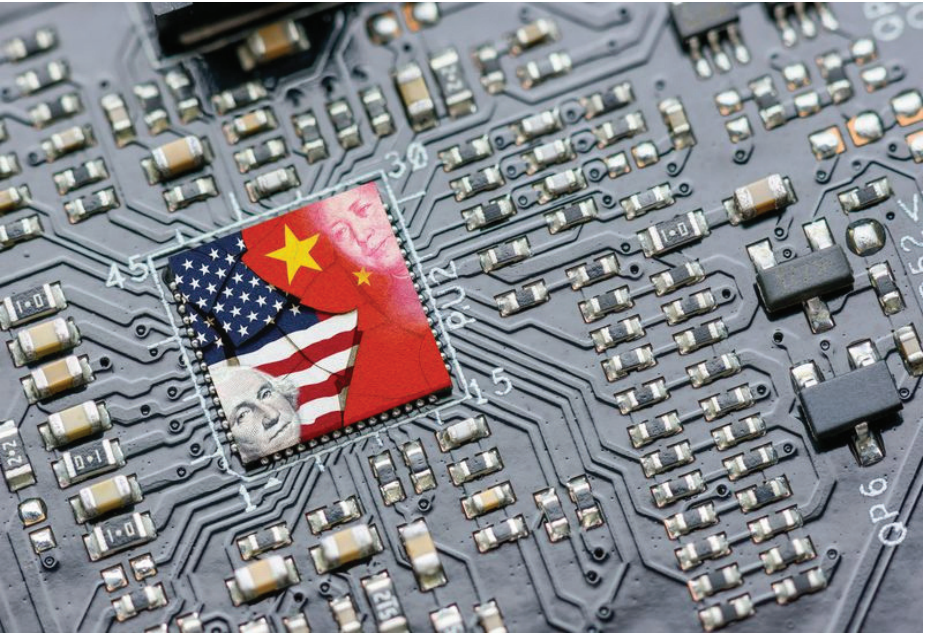
Don't miss the chip bus again



Covid-triggered shortage was the first wake-up call; the tariff war is the second warning

THE tariff war triggered by the aggressive trade policies of US President Trump has again brought into focus the semiconductor industry. Semiconductor chips are the backbone of products ranging from automobiles to missiles, and their supplies are mired in complicated global chains. While China and other East Asian countries like South Korea, Japan and Taiwan are key players in the semiconductor supply chains, the inclusion of Canada and Mexico as well in Trump's protectionist mission has surprised many. Several semiconductor products from destinations like China and Taiwan are routed through Mexico and Canada for manufacturing or packaging and end products meant for American and other markets. Besides semiconductor manufacturing, China also controls the milling and refining of rare earth metals that are critical for high-tech products like mobile phones and electric vehicle batteries. The shortage of semiconductor chips during the Covid-19 pandemic five years ago was a wake-up call. The disruption in the global supply chains resulting from the stoppage of production for a few weeks led to a drop in manufacturing of consumer products like cars, mobile phones and washing machines in several countries as the supply of chips went down. Now, the production lines are not threatened with closure, but higher tariffs are bound to increase the prices of products with embedded chips. The scenario about the supply of rare earth materials and the Chinese threat to restrict the supplies is still emerging and fuller impacts may become clear over the next few months.

In response to the pandemic situation, several steps were initiated in India in this strategic sector. It was realised that India's share in the global electronics design and manufacturing industry worth \$2 trillion was minuscule at \$100 billion. Moreover, just a fraction of it was value addition since India lacked local semiconductor manufacturing and the Indian industry is merely engaged in system integration and assembly. This is despite the country possessing good strength in silicon design with several design groups working for global chip companies. To promote local manufacturing and reduce reliance on global supply chains, the government initiated the India Semiconductor Mission (ISM) in 2021. Since semiconductor manufacturing of any kind is highly capital-intensive, the mission envisaged capital subsidies of up to 50 per cent to attract private companies. The Production Linked Incentive (PLI) scheme covered semiconductor foundries, Assembly, Testing, Marking and Packaging (ATMP) or Outsourced Semiconductor



Assembly and Test (OSAT) facilities and display fabrication facilities. In the past four years, the Central Government has sanctioned subsidies worth Rs 76,000 crore under this PLI and the first chip is supposed to roll out this year. However, silicon fabrication activities like OSAT are not at the high end or cutting edge of semiconductor manufacturing, but low-hanging fruit which, at best, allow a toehold in the global chip business. With these technologies, India will not be able to catch the semiconductor bus it had missed decades ago. India entered this field much ahead of Taiwan, with investments in Bharat Electronics Limited in the 1960s and Semiconductor Limited (SCL) in the 1980s. It could not keep pace with fast-changing technology because

investment is a must to ensure that India doesn't repeat the mistakes of the past, while also ensuring that India becomes self-reliant in the R&D feed for semiconductor manufacturing entities," said the group of scientists in their recommendations to the government in 2022. Specifically, scientists suggested the creation of an R&D fab to develop and test emerging technologies like using two-dimensional materials like graphene and Transition Metal Dichalcogenides (TMDCs) instead of silicon. A group led by Mayank Shrivastava, a professor in the Department of Electronics Systems Engineering at the Indian Institute of Science, Bangalore, proposed a blueprint for a national R&D centre dedicated to 2-D materials. He envisaged that it should be developed on the lines of 'early day Intel or Bell Labs' when silicon technologies were at a nascent stage. The centre should be headed by a technocrat and work with other academic groups as well as industry partners.

The precedent to establish such mission-oriented R&D centres already exists. The Centre for Development of Telematics (C-DOT) was established in 1984 to develop a digital telephone exchange. It was given a budget of Rs 36 crore and a timeframe of 36 months, and it delivered. The centre was headed by a technocrat, Sam Pitroda, and not an officer of the telecom department. Then came the Centre for Development of Advanced Computing to develop a supercomputer. It is time to take a similar mission approach for the R&D fab. This is the only way India can jump the silicon

roadmap and ensure a place for itself when post-silicon technologies mature. Shrivastava's proposal was backed by the officer of the Principal Scientific Advisor, but is yet to get the final go-ahead. Since the proposal was made three years ago, the global semiconductor industry has already made good progress with 2-D material-based technologies. It is projected that these technologies will progress faster than the pace at which silicon did. The first commercial products based on 2-D materials are expected to be out in another two years. The pandemic-triggered chip shortage was the first wake-up call. Now, the tariff war has come as the second warning. If we don't act fast, we are bound to miss the semiconductor bus again.

No proxies, please

Gurugram fumbles, Fatehabad village girls lead

THE cancellation of Gurugram Municipal Corporation Mayor Raj Rani Malhotra's husband's appointment as her 'advisor' has cast fresh light on an old malaise: the persistence of patriarchal influence in women's political representation. The backlash to Tilak Raj Malhotra's appointment serves as a rare institutional pushback against the notorious 'sarpanch pati' culture — where elected women are relegated to ceremonial roles while their husbands wield real power. This proxy culture is not new. Despite the constitutional promise of empowerment through the 73rd Amendment and reservation of seats for women in panchayati raj institutions, the reality in many parts of India, especially in patriarchal belts like Haryana, is far from transformative. Women, though elected, are often treated as stand-ins for their male relatives — an arrangement both tolerated and,



until recently, institutionally accepted. Yet, a glimmer of hope shines through in the same state where this controversy erupted. Last week, Haryana witnessed the

formation of its first Girls' Panchayat in Fatehabad's Barseen village, led by 21-year-old Astuti Kamboj. The symbolic body comprising girls aged 11-21 aims to foster leadership and civic awareness among young girls, preparing them for meaningful political participation, to be real leaders rather than placeholders. The contrast is striking: on one hand, entrenched patriarchy tries to assert itself in the power corridors of an urban municipal corporation; on the other, rural girls are being trained to claim their space in the political process. The system must widely shun symbolic representation through familial proxies and encourage genuine participation by women and girls. The cancellation of the Gurugram appointment must not be treated as a one-off. It should set a precedent against male backseat drivers in governance. Empowerment means letting women lead, not just hold office.

China's calculated neutrality on Pahalgam

China prefers the status quo — continuing tensions between India and Pakistan short of war, which would gradually drain both countries.

CHINA has issued a series of statements in the wake of the terrorist attack in Pahalgam. How do we interpret these and what do they tell us about how it views India and Pakistan? The first report of the attack by Chinese state-run Xinhua on April 22 did not refer to it as a terrorist attack but as "tourists killed", and an "ambush" in "Indian-controlled Kashmir." The report was largely matter-of-fact even if both Indian Prime Minister Narendra Modi and "the region's incumbent Chief Minister" Omar Abdullah were quoted as condemning it. It concludes noting: "A guerilla war has been going on between militants and Indian troops stationed in the region since 1989." It is only subsequently that the headlines and text change, with "UN Security Council condemns terror attack in Indian-controlled Kashmir" in the headline, "terrorist attack in Kashmir", and "terrorism and extremism." But even so, these are not the same thing as saying that China holds Pakistan responsible. In fact, China consistently attempts to portray a picture of neutrality, saying it "hopes India and Pakistan will exercise restraint, work in the same direction, handle relevant differences properly through dialogue and consultation, and jointly uphold peace and stability in the region." This 'neutrality', however, does two things with respect to India. One, it hyphenates India and Pakistan in status as the Chinese — and Pakistanis — have always wished the rest of the world would. China does not see India as its equal or a competing power while Pakistan sees itself as India's equal. New Delhi's own difference in responses to provocations by China and Pakistan, in fact, tends to reinforce this perception. India had a rather weak-kneed military response following the Galwan incident in 2020. By contrast, it has been relatively more ready for kinetic responses to

go with its rhetoric when Pakistan has been the aggressor. China has also used foreign interlocutors to highlight this hyphenation, referring, for example, to the Egyptian Foreign Minister calling for "calm and self-restraint" in phone calls with his Indian and Pakistani counterparts. Two, Beijing is also shifting responsibility to India by urging "restraint" and asking both countries to "jointly uphold peace and stability in the region." By calling for an "impartial investigation", China is making clear that it does not buy India's version of events. And nor can it, given that its rivalry with India is structural. Once again, Indian rhetoric and domestic politics involving Pakistan offer opportunities to China to exploit the India-Pakistan divide and to keep India off balance. There is a third effect that Chinese neutrality has, but this time with respect to Pakistan. While it is easy enough to conclude that India is the target, Beijing is also conveying a message to Pakistan by not wholeheartedly supporting the latter either. For long now, Chinese support to Pakistan on political and foreign policy issues has been largely rhetorical. While Beijing has blocked Indian attempts to get Pakistan-based terrorists sanctioned at the UN, it has also used such support to put pressure on Islamabad and Rawalpindi to address China's own concerns on what it perceives to be terrorism by Uyghurs from its Xinjiang region as well as attacks against Chinese workers in Pakistan. In other words, Chinese support for Pakistan is increasingly part of a transactional approach. This should not be surprising. American support to Pakistan has dwindled following the Afghanistan drawdown. While the economic relationship has grown with the

China-Pakistan Economic Corridor (CPEC), China's exposure is also not as great as it is often portrayed — most figures for Chinese investments in Pakistan as



part of the corridor are wildly exaggerated. In a Xinhua article published just a few hours before its report on the Pahalgam attack, the CPEC was called "a transformative initiative" but the figures were more telling — it had only "created over 75,000 jobs in Pakistan and attracted more than 26 billion U.S. dollars in investment." These are poor figures for a country of over 250 million people and after 10 years of the project. China might not want a full-blown India-Pakistan conflict for several reasons, including the possible return of the US to the region in some form or fashion and this time, most likely on the Indian side. This would mean that China would have to take sides

with the Pakistanis. Apart from the lack of any real political or economic gain from such backing, the Chinese probably also do not want to complicate ties with either the US or India at this moment. Despite its retaliatory measures against the US in the trade war and the aggressive rhetoric, Beijing is also concerned about longer-term implications for its economy and has kept the door open for negotiations with the Americans. The current Chinese thaw with the Indians has at least partly to do with concerns with the Donald Trump administration in the US and is too recent for the Chinese to want to complicate with anything more than the sort of signals outlined above. No wonder then that Chinese Foreign Minister Wang Yi's phone call with his Pakistani counterpart ended by saying that "conflict does not serve the fundamental interests of either India or Pakistan." At the same time, if eliminating terrorism from Pakistan requires the weakening of the Pakistani military and if such weakening were to lead to an improvement of India-Pakistan ties or a strengthening of western-style democracy, then China will be opposed to this too. China's ruling communists view democratic consolidation anywhere as threatening their own regime stability. In short, China prefers the status quo — continuing tensions between India and Pakistan short of war, which would gradually drain both countries, distracting India from preparing for the China challenge and keeping Pakistan dependent on China's largesse.

Rupee at strongest since October 2024 as it breaks 84/dollar mark

NEW DELHI. The Indian rupee surged to its strongest level this year on Friday, breaching the 84-per-dollar mark for the first time since October 2024. The currency rose as much as 0.7% to hit 83.83 against the US dollar in early trade, buoyed by a mix of strong foreign inflows and broader regional currency strength. This marks a nearly 2% weekly gain for the rupee, powered by a sustained rally in Indian equities and growing optimism over an early US-India trade deal under the Trump administration. Traders also cited heavy dollar selling by foreign banks—likely acting on behalf of overseas clients—and the unwinding of bearish bets against the rupee. Foreign institutional investors have been net buyers of Indian equities for 11 consecutive sessions, marking the longest such streak in two years and lending strong support to the local currency. Dilip Parmar – Senior Research Analyst, HDFC Securities, said, "The Indian rupee witnessed its most significant single-day appreciation since November 2022. This surge can be attributed to month-end adjustments and a technical sell-off in the US dollar leading up to the holiday." "Despite prevailing geopolitical tensions, trader caution was somewhat offset by the Reserve Bank of India's apparent absence from the market and the strengthening of other Asian currencies, providing support to the rupee," he added. The rupee's recent run has prompted several analysts to revise their forecasts. Japanese bank MUFG now expects the rupee to end 2025 at 84, up from its earlier projection of 87. "We now forecast INR to outperform other Asian currencies on the back of expected US dollar weakness and more favourable tariff outcomes for India in Trump 2.0," the bank said in a note. While bids for the greenback remained thin through the session, consistent dollar supply from foreign banks helped the rupee push decisively past the psychological 84 mark.

Ather Energy IPO: Check allotment status, latest GMP and listing date

NEW DELHI. The allotment status for Ather Energy IPO will be finalised on Friday, May 2, 2025. The public issue received a quiet response from investors, and the shares were just fully subscribed by the end of the bidding process. Ather Energy, which makes electric scooters, opened its IPO from April 28 to April 30 with a price band of Rs 304 to Rs 321 per share. The lot size was set at 46 shares. The issue was subscribed 1.50 times in total. This shows that while there was interest, the demand was not very strong. It can be attributed to the poor market performance of other EV companies, like Ola Electric, after their market debu. Retail investors subscribed 1.89 times their reserved portion, while Qualified Institutional Buyers (QIBs) bid 1.76 times the shares meant for them. However, Non-Institutional Investors (NIIs) showed less interest, with only 0.69 times subscription. The total number of bids received was 7,67,49,068 against the offer of 5,11,22,370 shares. Through the IPO, Ather Energy raised Rs 2,980.76 crore. This included a fresh issue of shares worth Rs 2,626 crore and an offer-for-sale (OFS) of up to 1,10,51746 shares by existing shareholders. Investors who applied for the IPO can expect to get alerts by SMS, email, or through bank messages about the debit of funds or release of IPO mandates. This may happen over the weekend or by Monday, May 5.

Zoho CEO Sridhar Vembu Shelves \$700 Million Semiconductor Chip Plan; Cites THIS Reason

New Delhi.Software major Zoho has put its ambitious \$700 million semiconductor chip manufacturing project on hold, and the company's Co-founder Sridhar Vembu on Thursday said they were not confident enough in the current technology path to proceed. Vembu explained that since chip fabrication is a highly capital-intensive business, it needs strong government support. On our semiconductor fab investment plan, since this

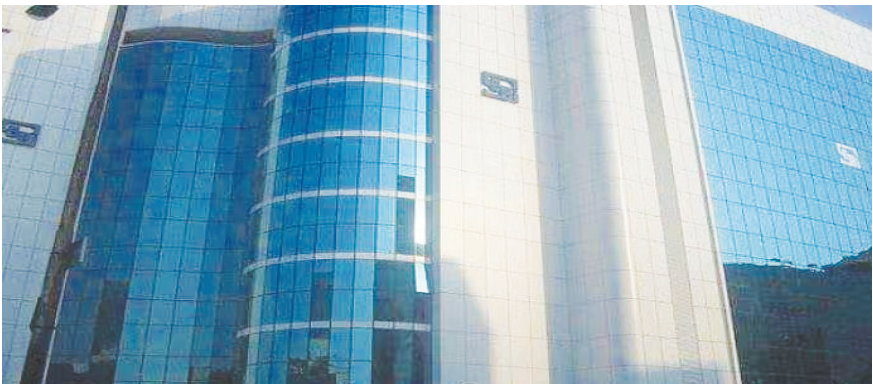


business is so capital intensive, it requires government backing, we wanted to be absolutely sure of the technology path before we take taxpayer money," Vembu wrote on X social media platform. He added that they did not have that confidence in the tech so the board decided to shelve this idea for the time being, "until we find a better tech approach". "We wanted to be absolutely sure of the technology path before we take taxpayer money. We did not have that confidence in the tech, so our board decided to shelve this idea for the time being," Vembu mentioned, explaining the company's decision to suspend the plan. The Tamil Nadu-based software firm had, in June last year, applied for incentives under the central government's Rs 76,000 crore India Semiconductor Mission (ISM). It had also set up a new entity called Silectric Semiconductor Manufacturing to lead the fabrication unit initiative. Before applying under ISM, Zoho had also announced plans to establish a semiconductor design project in Tenkasi, Tamil Nadu, where the company is headquartered.

All About SEBI's Proposal Of Demat Rule For Key IPO Shareholders To Curb Physical Share Risks

In a consultation paper, SEBI said the rule would apply to directors, key managerial personnel, senior management, current employees, selling shareholders, and qualified institutional buyers.

Mumbai. The Securities and Exchange Board of India (SEBI) has proposed a new rule that could make it compulsory for certain key shareholders to hold their shares in demat form before a company files for an initial public offering (IPO). In a consultation paper, the capital markets



regulator said the rule would apply to directors, key managerial personnel, senior management, current employees, selling shareholders, and qualified institutional buyers. If approved, the proposal aims to remove risks and inefficiencies linked to physical share certificates, such as loss, theft, forgery, and delays in transfer and settlement. Currently, SEBI's

regulations already require promoters to dematerialise their holdings before an IPO. However, the regulator noted that many other important shareholders still hold physical shares even when a company goes public. This creates a gap in the system and could lead to complications after listing. To fix this, SEBI now wants to expand the rule. It has suggested that all specified

securities held by promoter groups, directors, key managerial personnel, senior management, selling shareholders, qualified institutional buyers, and even domestic employees or shareholders with special rights must be in demat form before the IPO document is filed.

The proposed rule would also apply to stockbrokers, non-banking financial companies (that are not systemically important), and other regulated entities if they hold any such shares. SEBI has invited public feedback on the proposal and will accept comments until May 20. Meanwhile, the market regulator on Wednesday issued a stern warning to the public against using online opinion trading platforms, saying these platforms fall outside its regulatory purview and do not offer any investor protection under existing securities laws. In its advisory, SEBI explained that these platforms allow users to trade based on the outcomes of simple yes-or-no events.

Adani Ports, Adani Enterpries, Adani Green stocks rise up to 5%. Here's

Adani Enterprises' shares climbed more than 2% on Friday after the company reported an increase in its net profit for the January–March quarter.

NEW DELHI. Adani group stocks saw a rise in early trade on Friday as Dalal Street surged, opening higher boosted by positive global cues and tracking US markets. posting robust Q4 results on Thursday. The company reported a 50% rise in its consolidated net profit, which stood at Rs 3,023 crore. This is an increase from Rs 2,025 crore reported in the same quarter last year. The company's revenue from operations for the



quarter rose 23% year-on-year to Rs 8,488 crore. Its operating profit, or EBITDA, grew by 24% compared to the previous year, reaching Rs 5,006 crore. Adani Enterprises shares climbed more than 2% on Friday after the company reported a sharp increase in its net profit for the January–March quarter. This significant jump was mainly due to a one-time income from selling its stake in a consumer goods business and strong performance in its

solar equipment and airport operations. The company earned a profit of Rs 3,845 crore in the fourth quarter of the financial year 2024-25, compared to Rs 450.58 crore in the same quarter last year. A large part of this surge came from a Rs 3,286 crore gain after selling its stake in Wilmar. If this one-time gain is excluded, the core net profit stands at Rs 1,313 crore. This result highlights the impact of strategic decisions like the Wilmar stake sale, alongside growth in Adani's infrastructure-focused businesses, especially solar manufacturing and airport operations. Adani Green Energy shares also rose on Friday, as they jumped over 2%, trading at Rs 921.10, as of 10 am. Adani Energy Solutions Ltd also gained 2%.

Electronics mfg in India gets shot in the arm amid US tariff talks

NEW DELHI. With the Trump administration's announcement of reciprocal tariffs in April 2025 targeting multiple countries, India appears to have an edge over others, particularly in the electronics sector. This advantage stems from relatively lower tariffs imposed on Indian goods, especially compared to other major manufacturing hubs like China and Vietnam. For this reason, within a month of the announcement, global technology giants such as Apple, Google, and Samsung have expressed strong interest in expanding or shifting their manufacturing operations to India. For instance, Apple has officially announced that all iPhones sold in the US will be imported from India, meaning the US market will rely solely on India-made iPhones for domestic consumption. India-made iPhones account for only 8.5% of the phones sold in the US currently, with China accounting for three-fourths of the sales. iPhone sales in the US were 75.9 million units in 2024, with India-made

phones accounting for only 3.1 million units in March 2025. Alphabet Inc, the parent company of Google, is also planning to relocate a portion of its smartphone production from Vietnam to India. Currently, Google, in partnership with contract manufacturer Dixon Technologies, produces about 43,000 to 45,000 Pixel devices for the Indian market, a relatively modest number.

Now, the company is looking to scale up production and begin exporting India-made Pixel phones. South Korean electronics major Samsung is also considering relocating parts of its smartphone and electronics production to India. HP India is set to begin local production of laptops, desktop PCs, and all-in-one systems in May, in partnership with Dixon. Taiwanese tech firm Asus is also scaling up its India operations, aiming to transform the country into a major global export hub. Lenovo has announced plans to manufacture all its PC models for the

Indian market locally within the next three years. It intends to produce AI GPU servers in Pondicherry, bolstering its domestic presence. Murata Manufacturing Co, a key supplier of components for Apple, is considering shifting some of its production to India as part of a global supply chain realignment. All the stars are aligned for India to be the alternative to China. India not only offers government support and lower costs, but also has English-speaking software engineers and a large consumer base," said Tarun Pathak, research director at Counterpoint. "Going forward, competitive dynamics will be shaped by OEMs' ability to diversify their supply chains and manufacturing bases." The US has imposed a 26% reciprocal tariff on imports, while Chinese goods face a much higher 145%, and Vietnamese products are subject to 46%. Although a 90-day pause on reciprocal tariffs was announced on April 9, a 10% baseline tariff remains in effect on China.

Zomato shares rise despite 78% drop in Q4 profit. Should you buy, hold or sell

NEW DELHI. Zomato's parent company, Eternal Ltd, reported a 78% drop in net profit for the March quarter, but its shares were up nearly 2% in early trade on Friday. At 9:48 am, the stock was trading 1.76% higher at Rs 236.60 on the Bombay Stock Exchange. So what's behind this seemingly contradictory move? While the headline profit number may have disappointed, investors were looking beyond it. The real story lies in Blinkit—Zomato's quick commerce arm—which reported lower-than-expected losses despite aggressively expanding its dark store network. That's being seen as a sign that the business may be inching toward profitability faster than expected. Eternal posted revenue of Rs 5,830 crore, broadly in line with analyst estimates. EBITDA margin slipped to 1.2%—falling short of expectations—but the company managed to maintain stable contribution margins in both food delivery and quick commerce. "Blinkit's losses were lower even after rapid expansion, and contribution margin actually improved," said Nuvama in a note. "With store expansion likely peaking, we forecast operating losses will decline from next quarter. We maintain a 'Buy' with a revised target of Rs 290." Zomato's food delivery business also held steady. Contribution margin improved slightly to 8.6%, and gross order value (GOV) rose 16% year-on-year, beating estimates—despite the delisting of nearly 19,000 low-quality restaurants.

JM Financial acknowledged the management's cautious tone about rising competition but encouraged long-term investors to use any dips to add to their holdings. "We expect Blinkit's losses to peak in Q1FY26, followed by operating leverage benefits as expansion slows," it said.

The media report came at a time when Tesla is under pressure. Profits are down 71% year-on-year and revenue slipped 9% in Q1, amid protests over Musk's role as head of the US Department of Government Efficiency (DOGE) under the Trump administration.

Investors have raised concerns about Musk's divided attention, particularly as competitors from China and the US ramp up EV offerings. Musk has since promised to re-focus on Tesla, telling analysts last month that he would be spending "far more of my time" at the company starting May, now that DOGE is largely set up.

"Can you go to sleep in our cars and wake up at your destination? I'm confident that will be available in many cities in the US by the end of this year," he said, doubling down on Tesla's self-driving vision. Despite the drama, Tesla insists its leadership remains unchanged—and that it's full speed ahead on autonomy, innovation, and recovery.

Only Aadhaar Enabled eKYC Process Enough For Opening THESE Small Savings Schemes; No Paperwork Hassle

Now the post offices will be able to open the MIS, TD, KVP and NSC scheme accounts of Single - Individual (Adult) type through Aadhaar authentication using e-KYC.

New Delhi. The Department of Post has announced extension of e-KYC functionality for opening of Monthly Income Scheme (MIS), Time Deposit (TD), Kisan Vikas Patra (KVP), and National Savings Certificate (NSC) scheme accounts. "In continuation, Aadhaar enabled eKYC process has been enabled for opening of Monthly Income Account Scheme (MIS), Time Deposit Scheme (TD), Kisan Vikas Patra Scheme (KVP) and National Savings Certificate VIII Issue (NSC) scheme accounts w.e.f 23 .04.2025," Department of Post said in a circular on April 30. Accordingly, now the post offices will be able to open the MIS, TD, KVP and NSC scheme accounts of



Single - Individual (Adult) type through Aadhaar authentication using e-KYC CIF, it added. On invoking the CMISAOP menu, the Counter PA has to obtain the biometric of the depositor for getting the consent to use his/her Aadhaar and proceed for feeding the other details for opening of the account. On completion of all the data entry in CMISAOP screen, before submission, second biometric of the depositor shall be obtained for authenticating the

transaction. No-pay-in-slip (deposit) voucher shall be collected for any amount of deposit while opening these accounts on Aadhaar Authentication basis. The amount written by the depositor in the Account Opening Form (SB-eKYC-AOF) shall be considered as amount of deposit. Fund Transfer From PO Savings Account

If the depositor desires to transfer the funds from PO Savings Account for opening of MIS/TD/KVP/NSC

accounts, the debit account should be either Single or Joint B type account other depositor. In case the account is opened on transfer of funds from the PO Savings Account of the depositor, withdrawal form (SB-7) shall not be collected, as the account is opened through biometric authentication of the depositor. The existing process shall be followed for the paper-based (voucher based) transaction. Aadhaar Authenticated Transactions will directly be posted in the ledgers and require no verification by the checker. Accordingly, the account will be opened directly on biometric authentication of the depositor.

All the transactions including the POSA debit transactions, posted for opening of MIS/TD/KVP/NSC through biometric authentication shall appear in the EKyC long book detailed report. The development of functionalities like Account Closure, Transfer of Accounts, change of nomination (Account Modification) etc. through biometric authentication are underway. Meanwhile, these operations shall continue to be performed through the existing method.

Pakistan violates border ceasefire for 8th straight night, Army responds

Pakistani troops continued ceasefire violations along the Line of Control for the eighth consecutive night with unprovoked firing in Kupwara, Baramulla, Poonch, Naushera, and Akhnoor areas of Jammu and Kashmir.

NEW DELHI. Pakistani troops continued ceasefire violations along the Line of Control for the eighth consecutive night with its unprovoked firing in Kupwara, Baramulla, Poonch, Naushera, and Akhnoor areas of Jammu and Kashmir, and the Indian military responded in a calibrated and proportionate manner. This comes two days after India issued a stern warning to Pakistan over these repeated violations along the Line of Control (LoC) amid rising tensions between India and Pakistan following the April 22 Pahalgam terror attack. The Director General of Military Operations (DGMOs) of both countries had a hotline conversation on Tuesday to address unprovoked ceasefire violations by the Pakistan Army. Initially commencing with unprovoked small arms firing at several posts along the LoC in Kupwara and Baramulla districts of north Kashmir, Pakistan swiftly expanded its ceasefire violation to the Poonch sector and subsequently to the Akhnoor sector of the Jammu region. It was followed by small arms firing on several



posts along the LoC in the Sunderbani and Naushera sectors of Rajouri district on Tuesday night. Subsequently, it expanded the firing to the Pargwal sector along the International Border in Jammu district. Since the night of April 24, just hours after India suspended the Indus Waters Treaty following the killing of 26 people in the terror attack, Pakistani troops have been resorting to unprovoked firing at various places along the LoC in J&K, beginning from the Kashmir Valley. On April 24,

Pakistan blocked its airspace for Indian airlines, closed the Wagah border crossing, suspended all trade with India, and stated that any attempt to divert water meant for Pakistan under the Indus Waters Treaty would be considered an "act of war." India and Pakistan had agreed to a renewed ceasefire along the borders in Jammu and Kashmir in February 2021. The situation has changed significantly since February 2021, when the DGMOs of India and Pakistan reiterated their commitment to the 2003 ceasefire agreement to ensure peace along the de facto border. India shares a total of 3,323 km of border with Pakistan, divided into three parts: the International Border (IB), approximately 2,400 km from Gujarat to the northern banks of the Chenab River in Akhnoor, Jammu; the Line of Control (LoC), 740 km long, running from parts of Jammu to parts of Leh; and the Actual Ground Position Line (AGPL), 110 km long, dividing the Siachen region from NJ 9842 to Indira Col in the north.

Kerala man loses custody of children as top court flags lack of home-cooked meals



New Delhi. The Supreme Court on April 29 overturned a Kerala High Court order that had granted interim custody of two minor children to their father. A bench of Justices Vikram Nath, Sanjay Karol, and Sandeep Mehta ruled that the father had not met essential responsibilities, including providing proper care and nutritious, home-cooked meals for the children. The bench emphasised that frequent consumption of restaurant food could be detrimental, especially for a young child. It noted that an eight-year-old requires balanced, home-prepared meals—something the father had failed to ensure. "It's well-established that regular intake of food from restaurants or hotels can affect health, even in adults. The nutritional needs of a growing eight-year-old demand home-cooked food, which the father is currently unable to provide," the court observed.

The court also flagged concerns about the father's limited availability, stating that his work commitments left him with insufficient time to engage fully with the children during the custody period.

"We could even have considered giving an opportunity to the respondent-father to make suitable arrangements for providing home-cooked food to the child, but the fact that the child gets no company whatsoever except for that of the father during the interim custody period of 15 days is an additional factor which weighs heavily against his claim for the child's custody at this stage," the bench observed.

The couple, who married in 2014, separated in 2017 following marital issues. They have two children from the marriage. In June 2024, the mother approached a family court in Thiruvananthapuram under the Guardians and Wards Act, 1890, seeking permanent custody. The court granted her interim custody, allowing the father to meet the children only once a month and through weekly video calls. The main custody matter remains under consideration.

Unhappy with these limitations, the father appealed to the Kerala High Court. In December 2024, the High Court modified the arrangement, allowing the father 15 days of custody each month, subject to conditions such as renting a residence in Thiruvananthapuram, hiring a nanny, and creating a supportive environment.

The mother contested this decision before the Supreme Court. Upon review, the top court found the father had not fulfilled key conditions set by the High Court—most notably, he neither hired a nanny nor ensured fresh, home-cooked food for the children.

During a private interaction with the eight-year-old daughter, the court observed she was bright and well-spoken. She expressed unease with the fortnightly custody change and said that during her stay with her father, all meals were ordered from outside. She also mentioned feeling isolated due to the lack of any companionship apart from her father.

"She appeared disturbed by the constant shift between households under the 15-day custody cycle," the court said. The court further voiced concern for the three-year-old son, who had barely lived with the father and could experience psychological distress if separated from his mother. "The High Court's interim arrangement for the younger child lacks justification and is clearly unsupported by the record," it stated. The top court reiterated that child custody decisions must always prioritise the child's best interests and not hinge on the affection or emotional arguments presented by either parent.

Trinamool MP's Petition To Recall Defamation Order Denied, To Pay Rs 50 Lakh

New Delhi. The Delhi High Court on Friday refused to recall its order directing Trinamool Congress MP Saket Gokhale to pay damages of Rs 50 lakh to former diplomat Lakshmi Murdeshwar Puri in a defamation case. The court also junked the MP's petition to condone a delay of over 180 days in seeking the relief.

"We can't help you. We have to reject both the applications," the judge said. According to Justice Purushendra Kumar Kaurav, no explanation was offered for the delay in approaching the court.

Former United Nations Assistant Secretary-General Lakshmi Puri and the wife of Union Minister for Petroleum and Natural Gas Hardeep Singh Puri had sued Mr Gokhale over his social media posts alleging that she had purchased certain property in Switzerland disproportionate to her income. He had also mentioned Mr Puri and tagged Finance Minister Nirmala Sitharaman, calling for an investigation by the Enforcement Directorate.

Ms Puri had approached the court in 2021, alleging that Mr Gokhale "tarnished her goodwill and reputation" by making reckless and false allegations about her financial affairs. She argued that Mr Gokhale's claims about her income were baseless, as she was on deputation from the Government of India to the UN Conference on Trade and Development (UNCTAD). Senior advocate Maninder Singh, representing Ms Puri, emphasised that the former diplomat did not hold any public office at the time, and hence, her private transactions should not have been subjected to public scrutiny without her consent.

Top court stays relocation of deer from Hauz Khas park, calls for their proper upkeep

NEW DELHI. The Supreme Court has restrained the Delhi Development Authority (DDA) and other authorities from shifting the deer in the Deer Park in Hauz Khas to forests in different states. In its interim direction on April 30, a two-judge bench of Justices Abhay S Oka and Ujjal Bhuyan issued notice to the DDA's horticulture director and other respondents seeking their response after hearing a plea opposing the relocation. "The issue involved in these Special Leave Petitions (filed by petitioner, NGO New Delhi



Nature Society (NDNS)), as regards shifting of deer in Park at Hauz Khas, New Delhi. Issue notice, returnable on May 16, 2025," the top court said. The plea by NDNS claimed that around 600 deer in Hauz Khas were likely to be relocated without proper habitat assessments, vet checks, or safeguards for vulnerable groups like pregnant deer and fawns. The petitioner contended that three batches of deer had already been relocated hastily from Deer Park to sanctuaries in Rajasthan in contravention of wildlife protection laws. Invoking the Prevention of Cruelty to Animals Act, 1960, NDNS claimed that using captive deer as prey amounts to cruelty, especially since Section 11 prohibits confining any animal in a manner that makes it an object of prey. "For now, we restrain the respondents from shifting the existing deer out of Deer Park... We also make it clear that the deer shall be properly looked after by the respondents," the bench said in its order.

The petition alleged that DDA has treated CZA's withdrawal of recognition as a green signal to dismantle the park altogether without fulfilling legal requirements under the Wildlife Protection Act, 1972.

Muslim castes to be recorded in upcoming census, but not quota: Sources

The census work is expected to begin within the next two to three months. The deputation process for appointing officials will commence soon. Once all preparatory steps are completed, the actual census will be conducted within 15 days.

NEW DELHI. The upcoming caste census will include the caste of Muslims as well, sources said on Friday. Alongside the religion column, a caste column will be present for everyone. Multiple castes within the Muslim community will be documented through this process. However, sources clarified that the demand for Muslim reservations will not be accepted, as reservation based on religion is not permitted. The census work is expected to begin within the next two to three months. The deputation process for appointing officials will commence soon. Once all preparatory steps are completed, the actual census will be conducted within 15 days.

This census will also be carried out through digital means, incorporating Aadhaar, biometric data, and artificial intelligence. Though the data analysis



may take one to two years, the complete report will be published afterward. The government aims to conduct the 2029 Lok Sabha elections with women's reservation in place. Once the census is completed next year, the process of delimitation will begin, for which a commission will be formed and will tour states to draft its report. With a rise in the OBC population, the current 27% reservation cap in government jobs and educational institutions may be

reconsidered.

There has been no action yet on the Justice Rohini Commission report regarding sub-categorization within reservation. However, post-census, this issue may be revisited. Some consider this formula potentially harmful to the existing safeguards for OBC, SC, and ST communities. Discussions with all political parties on the modalities of the caste census may take place. The INDIA bloc could face internal tensions over the census and delimitation, potentially sparking a North vs South debate.

Meanwhile, demands for reservations in the private sector have been termed baseless. Though such demands were raised during the Manmohan Singh government, they were opposed by the private sector. Article 15(5), which applies to private educational institutions, is already in effect.

Traders urge Centre to rename Shahjahanabad as Indraprastha amid Delhi name-change push

NEW DELHI. In the wake of multiple name change proposals in Delhi following the BJP's return to power in the 2025 elections, another suggestion has emerged from the Chandni Chowk Traders Welfare Association. Sanjay Bhargava, the association's president, has written to Union Minister for Housing and Urban Affairs, ML Khattar, urging the renaming of Shahjahanabad to Indraprastha. This proposal is part of a broader trend in the city, with areas like Najafgarh, Mohammadpur, and Mustafabad being considered for name changes. Bhargava shared his meeting with Khattar on social media, stating, "I have requested renaming



Shahjahanabad as Indraprastha and suggested revitalising the Walled City to restore its glory and decongest the area." Shahjahanabad, established in 1638 by Mughal Emperor Shah Jahan,

is now popularly known as Old Delhi. Bhargava's suggestion draws from Hindu mythology, where Indraprastha was the capital of the Pandavas in the Mahabharata. While the historical connection between ancient Indraprastha and modern Delhi remains debated, Bhargava believes the name change would honour the region's heritage. "It's clear that the region has a rich and storied history," he said. However, historian Swapna Liddle, author of Shahjahanabad: Mapping a Mughal City, raised concerns about the proposal's relevance. "Old Delhi is not officially called Shahjahanabad and the Shahjahanabad Redevelopment Project is the only body using that name," she pointed out.

Government fact-checks claims of Air Force officer's sacking over Pak war stance

The government fact-checked claims by several pro-Pakistan social media accounts that said that Vice Chief of Air Staff Air Marshal Sujeet Pushpakar Dharkar was sacked for refusing to fight a war against Pakistan.

New Delhi. The government on Thursday debunked claims by several pro-Pakistan social media accounts that falsely claimed that Air Marshal Sujeet Pushpakar Dharkar, who retired as Vice Chief of Air Staff last month, was sacked for refusing

to fight a war against Pakistan. In a post on X, the Press Information Bureau (PIB)'s Fact-Check unit said Air Marshal Dharkar retired as Vice Chief of the Air Staff on April 30. He superannuated from the Air Force on the completion of 40 years of service.

Air Marshal Narmdeshwar Tiwari, currently serving as the Air Officer Commanding-in-Chief of the South Western Air Command, is set to take charge as the new Vice Chief of the Air Staff on Friday.

On the day of his superannuation, Air Marshal Dharkar was given a guard of honour at the Air Headquarters, Vayu Bhawan. He also paid tribute to the fallen heroes at the National War Memorial in Delhi. In October last year, Air Marshal Dharkar, an accomplished fighter pilot, assumed charge as Vice Chief of the Air Staff. He had succeeded Air Chief Marshal AP

Singh, who is currently the Air Force Chief. The government's response to



claims surrounding Air Marshal Dharkar's "sacking" came amid escalating tensions between India and Pakistan in the aftermath of the Pahalgam terror attack on April 22, which claimed 26 lives. The

attack occurred in Baisaran Valley - a meadow that is accessible only by foot or horseback - when terrorists opened fire on tourists.

Prime Minister Narendra Modi has vowed to "pursue" the perpetrators and their backers "to the ends of the earth".

India downgraded its ties with Pakistan following the Pahalgam attack and took several diplomatic measures, including the pausing of the Indus Waters Treaty, expelling all Pakistani military attaches, closing its airspace to Pakistani airlines and the shutting down of the Attari-Wagah border. In response, Pakistan undertook tit-for-tat measures and suspended the Simla Agreement.

India on Thursday relaxed its deadline allowing Pakistani nationals to return to Pakistan via the Attari-Wagah border. But, Pakistan has not yet reciprocated with the same measure by allowing Indian nationals into the country.

NEWS BOX

White House turns '100 men vs gorilla' challenge into Trump immigration boast

WORLD. A very unfamiliar question has taken over the internet: Can 100 average men defeat one adult male gorilla in a fight? It all started on April 24, when X user Michael Sherrills posted the question online. A random thought quickly went viral. Social media users started sharing memes, polls, and funny responses relating to the same.Famous YouTuber MrBeast joined the trend with a fake video thumbnail titled "100 Men vs. a Gorilla." He jokingly posted, "Need 100 men to test this, any volunteers?" Even Elon Musk got involved, replying, "Sure, what's the worst that could happen?" And then the White House put its spin on it. On Thursday, the official White House account posted on X a meme with immigrants getting on a plane and Donald Trump featured in the photo. The caption read, "100 men vs 1 gorilla is still up for debate. Meanwhile, 142,000+ illegal alien criminals went up against 1 President Trump — They all got deported."The post endorsed Trump's hardline immigration record and connected it with the viral gorilla hypothesis. According to an ICE report, in Trump's initial 100 days of second presidential term, 66,463 people have been detained without proper documentation and 65,682 people have been deported.

THE MAN BEHIND THE VIRAL QUESTION SPEAKSMichael Sherrills, the 25-year-old who posted the original question, had no idea the question would blow up on social media. Speaking to NBC News, he said, "People love things that probably won't ever happen, because they can talk about it. It's like tasting a dream."Sherrills stated that he got the idea after seeing a TikTok video about gorillas. Despite the feedback making him reconsider the idea, he still thinks that he can be a part of the 100-man team—under one condition.

Europe Preparing New Sanctions On Russia: French Minister

Paris.French Foreign Minister Jean-Noel Barrot said Thursday that the European Union is preparing to hit Russia with a 17th round of sanctions, describing President Vladimir Putin as the "sole obstacle" to peace in Ukraine.The 27-nation bloc has imposed unprecedented penalties on Russia in response to its invasion, and said this year it would not lift sanctions before Putin's "unconditional" withdrawal of forces from Ukraine."We Europeans will accompany this American (sanctions) initiative with a 17th package of sanctions and I committed yesterday to (US Senator) Lindsey Graham that we would try to coordinate both the substance and the timing of these two packages of sanctions," Barrot told AFP in an interview.Graham has rallied dozens of lawmakers from both parties to support a plan to impose additional sanctions on Moscow as well as tariffs on countries that buy Russian energy, the Wall Street Journal has reported.

Barrot took aim at Russia's president during the interview, saying: "It is now crystal clear that the only obstacle to peace today in Ukraine is Vladimir Putin." Moscow's forces launched an all-out invasion of Ukraine in February 2022 in a bid to seize control that Kyiv thwarted with the help of international assistance provided primarily by the United States and countries in Europe.Ukraine "accepted an unconditional ceasefire and yesterday it agreed to conclude an agreement on critical minerals with the United States," Barrot said.That, "according to statements by Ukrainian officials, corresponds I would say to Ukraine's expectations of engaging in economic cooperation with the United States, but also with other countries," he said.

‘Hope Pakistan Will Cooperate To Make Sure...’: JD Vance On Pahalgam Terror Attack Probe

WORLD. The United States Vice President JD Vance, on Thursday, in an interview, said that the US hopes that Pakistan will cooperate with India to make sure that terrorists are "hunted down".

This comes after the Jammu and Kashmir's Pahalgam terror attack in which 26 people were killed and several others were injured.

During an interview with Fox News, Vance made his first public remark on the Pahalgam attack and said, "Our hope here is that India responds to this terrorist attack in a way that doesn't lead to a broader regional conflict."Talking about Pakistan's cooperation with India, US VP in the Fox News' "Special Report with Bret Baier" show added, "And we hope, frankly, that Pakistan, to the extent that they're responsible, cooperates with India to make sure that the terrorists sometimes operating in their territory are hunted down and dealt with."When the gruesome attack went down in Pahalgam on April 22, Vance was in India with his family on a visit. In a post on the social media platform X, he had condemned the attack and expressed solidarity with the victims and their families.US' Stand On Pahalgam Terror Attack On Wednesday, US Secretary of State Marco Rubio spoke with External Affairs Minister S. Jaishankar and Pakistan Prime Minister Shehbaz Sharif, amid the rising tensions between the two nations. He asked Pakistani officials to cooperate in the investigation and work to de-escalate tensions.

US State Department spokesperson Tammy Bruce also said that Prime Minister Narendra Modi has got full support from the Donald Trump administration. She added that they are in constant communication with the governments of India and Pakistan.India downgraded its ties with Pakistan following the Pahalgam attack and announced various diplomatic measures, including the suspension of the Indus Waters Treaty, closing its airspace to Pakistani airlines, and shutting down the Attari-Wagah border. Pakistan also suspended the Simla Agreement.

China Says 'Evaluating' US Tariff Talks, But Wants Trump's 'Sincerity'

Beijing.China said Friday it is evaluating a US offer for negotiations on tariffs but wanted Washington to show "sincerity" and be ready to scrap levies that have roiled global markets and supply chains. Punishing US tariffs that have reached 145 percent on many Chinese products came into force in April while Beijing has responded with fresh 125 percent duties on imports from the United States.High-end tech goods such as smartphones, semiconductors and computers have received a temporary reprieve from US tariffs.US President Donald Trump has repeatedly claimed that China has reached out for talks on the tariffs, and this week said he believed there was a "very good chance we're going to make a deal".Beijing's commerce ministry on Friday confirmed the US had reached out and that it was "currently evaluating" the offer.But, it said, any talks would first require sincerity from the US side."If the US wants to talk, it should show its



sincerity to do so, be prepared to correct its wrong practices and cancel unilateral tariffs," the ministry said."In any possible dialogue or talks, if the US side does not

correct its wrong unilateral tariff measures, it just means the US side is completely insincere and will further damage the mutual trust between the two sides," it added.

"Saying one thing and doing another, or even attempting coercion and blackmail under the guise of talks will not work," the commerce ministry said.Dozens of countries face a 90-day deadline expiring in July to strike an agreement with Washington and avoid higher, country-specific rates.But Beijing had vowed to fight a trade war to the bitter end if needed, with a video posted on social media this week by its foreign ministry vowing to "never kneel down!"But it has acknowledged global economic vicissitudes have strained its economy, long dependent on exports, with officials admitting that foreign-facing firms are facing difficulties.Data this week showed factory activity shrank in April, with Beijing blaming a "sharp shift" in the global economy.Chinese exports soared more than 12 percent in March as businesses rushed to get ahead of the swingeing tariffs.

Bangladesh Court Issues Show-Cause Notice To Sheikh Hasina In Contempt Case

Dhaka.Bangladesh's International Crimes Tribunal has issued a show-cause notice to deposed prime minister Sheikh Hasina and her aide in a contempt of court case.

The tribunal headed by Justice Golam Mortuza Mozumder passed the order on Wednesday based on the content of an audio through which Hasina interfered in the judicial process and issued threats to the tribunal, state-run BSS news agency reported.

The ICT instructed Hasina and Shakil Alam Bulbul, a leader of the banned Bangladesh Chhatra League (BCL), to respond to the show cause notice by May 15, ICT Prosecutor Gazi M H Tamim said on Thursday.The ICT issued the notices after receiving a forensic report on a recently circulated

audio clip on social media that features the former prime minister saying, "I have received a license to kill 227



people".The leaked audio went viral on social media sometime at the end of last year.In the leaked audio, a voice is heard saying, "227 cases have been filed against me, so I've obtained a license to kill 227 people." "The

investigation agency conducted forensic tests and confirmed the voice belongs to Sheikh Hasina," said Tamim.

Hasina fled to India on August 5 last year after a massive student-led agitation that toppled her over 15-year-old regime. Three days later, Muhammad Yunus took over as Chief Adviser of the interim government.Separately, the International Crimes Tribunal Thursday issued arrest warrants for eight individuals accused of committing crimes against humanity during the July mass uprising in Narayanganj last year.ICT Chief Prosecutor Muhammad Tajul Islam said that the accused were involved in brutal attacks on civilians amid widespread protests in Narayanganj.

"Economic Terrorism": Iran Slams Fresh US Sanctions

Tehran.Iranian Foreign Ministry spokesman Esmail Baghaei has strongly condemned fresh US sanctions on individuals and entities in Iran and other countries on the pretext of cooperating with Tehran in different areas, calling them a clear sign of US attempts at "economic terrorism".

The sanctions imposed over the past few days were a clear sign of US policymakers' insistence on law-breaking and violation of other countries' rights and interests, as well as their bids to disrupt friendly and legal relations among developing states through economic terrorism, Baghaei said on Thursday in a statement.They are "another conspicuous proof of the US decision makers' contradictory approach and lack of goodwill and seriousness in advancing the path of diplomacy," he added.Baghaei was reacting to sanctions imposed by the US Treasury Department and State Department on Tuesday and Wednesday respectively, on six Iran-based individuals and 13 entities in Iran and other countries for their alleged involvement in trading

Iranian petroleum and petrochemicals and procurement of ballistic missile propellant ingredients on behalf of the Iran's Islamic Revolution Guards Corps, Xinhua news agency reported.

The US said on Wednesday it was imposing sanctions on five companies based outside Iran involved in selling



Iranian oil.US Secretary of State Marco Rubio said: "So long as Iran attempts to generate oil and petrochemical revenues to fund its destabilising activities, and support its terrorist activities and proxies, the United States will take steps to hold both Iran and all

its partners engaged in sanctions evasion accountable."The move came ahead of a fourth round of Iran-US talks on Saturday in Rome, where Tehran is seeking relief from sanctions in return for curbs on its nuclear programme.Since returning to office in January, US President Donald Trump has reinstated a campaign of "maximum pressure" on Iran, mirroring his approach during his first term, while also calling for dialogue.In March, he sent a letter to Iran's Supreme Leader Ayatollah Ali Khamenei, who has the final say in major state policies, urging talks and warning of possible military action if Iran refused.During his first term, Trump withdrew the US from the 2015 nuclear deal between Iran and world powers and reimposed biting

sanctions, prompting the Islamic Republic to roll back its commitments.It came as the fourth round of the Omani-mediated indirect talks between Iran and the US, which was originally scheduled for Saturday in Rome, has been postponed.

Mike Waltz Named UN Envoy, Rubio Becomes Interim National Security Adviser

Donald Trump, in a social media post, said he would nominate Waltz to be the next U.S. ambassador to the United Nations, adding that "he has worked hard to put our nation's interests first."

Washington.U.S. President Donald Trump ousted his national security adviser Mike Waltz on Thursday and named Secretary of State Marco Rubio as his interim replacement in the first major shakeup of Trump's inner circle since he took office in January.Trump, in a social media post, said he would nominate Waltz to be the next U.S. ambassador to the United Nations, adding that "he has worked hard to put our nation's interests first."Earlier in the day, multiple sources said Trump had decided to

remove Waltz from his national security post. The retired Army Green Beret and former Republican lawmaker from Florida had faced criticism inside the White House, particularly after he was caught up in a March scandal involving a Signal chat among top Trump national security aides.Rubio will be the first person since Henry Kissinger in the 1970s to hold the positions of secretary of state and national security adviser simultaneously.Cancel "When I have a problem, I call up Marco. He gets it solved," Trump said at a White House event earlier on Thursday.

A person familiar with the matter said Trump wanted to get to the 100-day mark in his term before firing a cabinet-level official. News of the shake-up on Thursday was so abrupt that State Department spokesperson Tammy Bruce learned about it from reporters at a briefing.The national security adviser is a powerful role that does not require Senate confirmation. Trump had four national security advisers in his first term: Michael Flynn, H.R. McMaster, John Bolton and Robert O'Brien.Waltz's deputy,

Alex Wong, an Asia expert who was a State Department official focused on North Korea during Trump's first term, is also being forced from his post, two people familiar with the matter told Reuters.

The Waltz ouster caps a month of personnel turmoil within Trump's national security establishment. Since April 1, at least 20 NSC staffers have been fired, the director of the National Security Agency has been dismissed and three high-ranking Pentagon political appointees have been shown the door.The purges have seriously hurt morale in some areas of the national security establishment, according to several officials within or close to the administration. Some elements of the government are low on relevant national security expertise and in some cases it has proven difficult to attract high-level talent, the officials added.The NSC is the main body used by presidents to coordinate security strategy, and its staff often make key decisions regarding America's approach to the world's most volatile conflicts.Waltz was blamed for



reprieve from US tariffs."Apple proactively built up inventory ahead of anticipated tariff policies," said Canals research manager Le Xuan Chiew. "With ongoing fluctuations in reciprocal tariff policies, Apple is likely to further shift US-bound production to India to reduce exposure to future risks."While iPhones produced in mainland China still account for the majority of US shipments, production in India ramped up toward the end of the quarter, according to Canals.

Mr Cook said Vietnam would be the country of origin for almost all iPad, Mac, Apple Watch and AirPods products sold in the US. China will continue to be where most Apple products are made for sale outside the US, he insisted.Apple's revenue of \$95.4 billion in the recently ended quarter was driven by iPhone sales, with the company taking in \$17 billion in the China market, according to the earnings report. Profit for the quarter was \$24.8 billion.Apple shares slipped more than 3 percent in after-market trading."The real story is in Tim Cook's plans to navigate these unprecedented trade challenges," said Emarketer analyst Jacob Bourne.Apple's plan to shift manufacturing to India "raises pressing questions about execution timeline,

accidentally adding the editor of The Atlantic magazine to a private thread describing details of an imminent U.S. bombing campaign in Yemen. The Atlantic subsequently reported on the internal discussions about the strikes.At a subsequent Cabinet meeting with Waltz in the room, Trump expressed his preference for holding such conversations in a secure setting, a clear sign of his displeasure. But he and others in the White House publicly expressed confidence in Waltz at the time.

Trump so far has expressed confidence in his defense secretary, Pete Hegseth, despite the turmoil at the top levels at the Pentagon and his involvement in the Signal controversy. Waltz also attended Trump's televised cabinet meeting on Wednesday. In a Reuters photograph from the meeting, Waltz appeared to be using the Signal app on his phone. The photograph appears to show a list of chats he has had on the messaging app with other cabinet members, including Vice President JD Vance and Intelligence Chief Tulsi Gabbard.

NEWS BOX

RR exchange jerseys with Paralympian Avani Lekhara in heartfelt interaction

New Delhi. Paralympic medalist Avani Lekhara, who has won two gold and one bronze medal at the Paralympics, joined Rajasthan Royals (RR) on Thursday, May 1, as part of their Pink Promise campaign focused on women’s empowerment in rural India.

The event featured a symbolic jersey exchange between Lekhara and the Royals, celebrating her achievements and supporting the campaign’s message. Kumar Sangakkara, Director of Cricket for Rajasthan Royals, expressed his gratitude, saying, “Thank you very much for coming and supporting as well.”Lekhara’s presence added significance to the initiative, highlighting the power of sport in driving social change.

More about Pink Promise campaign

On Thursday, the Rajasthan Royals donned a special all-pink kit during their match against Hardik Pandya’s Mumbai Indians at the Sawai Mansingh Stadium in Jaipur. As part of a social initiative, INR 100 from every match ticket sold was contributed towards women-led rural development in Rajasthan.

Additionally, all proceeds from the sale of the all-pink Royals jerseys will support the Royal Rajasthan Foundation (RRF), the franchise’s



social equity arm. In a further show of impact, for every six hit by either team during the match, the Royals and the RRF pledged to light up six homes in te Sambhar region with solar power.khara, she successfully defended her title in the women's 10m Air Rifle Standing SH1 event at last year’s Paralympics, clinching gold for the second consecutive time at the prestigious quadrennial event.As far as the Royals are concerned, they failed to qualify for the IPL 2025 playoffs after MI beat them by 100 runs. Languishing at eighth in the table, RR will be playing for pride in their last three matches of the competition.Stay updated on IPL 2025 with India Today! Get match schedules, team squads, live score, and the latest IPL points table for CSK, MI, RCB, KKR, SRH, LSG, DC, GT, PBKS, and RR. Plus, keep track of the top contenders for the IPL Orange Cap and Purple Cap. Don't miss a moment!

GT vs SRH, IPL 2025 Preview: Predicted XI, team news and Ahmedabad pitch conditions

New Delhi. Gujarat Titans have been one of the in-form sides in the IPL 2025 and they have been a team that has never been flashy in terms of their players or playing style. Since their inception in 2022, the team has been known to play a simple yet effective T20 game with not a lot of pyrotechnics. It has served them well this season as they have won six out of the 9 games they have played.However, the loss to RR, courtesy of a Vaibhav Suryavanshi storm, hurt the Titans a bit as they have now lost two out of their last four matches. The race for the play-offs are heating up and Gujarat now need to get back on track quickly. With the likes of MI, RCB, PBKS and DC being in the mix, even 16 points could prove to be not enough this season.As for SRH, they have cleared their mind with a short vacation after their historic win against CSK at Chepauk. For Hyderabad, the equation is simple. Win and retain your hopes of the playoffs. Lose and



then find yourselves at the mercy of others. A tale of two opening pairs SRH based a lot of their success last season on the batting prowess of Travis Head and Abhishek Sharma right at the top. In the 13 times Travishek opened in 2024, they scored 599 at a run-rate of over 13 and an average of 49.91. However, this season, it has been underwhelming from the two as they have scored 316, with 171 coming in that incredible run-chase against PBKS.On the other side for GT, the duo of Shubman Gill and Sai Sudharsan have been calmness personified. The duo have put on 541 runs at an average of over 60. However, the scoring rate of the duo has been under 9, the second-slowest in IPL this season.With two contrasting approaches and ideologies, GT vs SRH promises to be an exciting encounter. GT vs SRH: Head-to-Head GT and SRH have faced each other five times in the IPL and the Titans have won four of them. At the Narendra Modi Stadium, Gujarat have beaten Hyderabad in two out of two. Earlier in the season, GT got a thumping 7-wicket win against SRH in Hyderabad.

Rohit's resilience, Surya's flair, Mumbai Indians looking like team to beat in IPL 2025

New Delhi. When the Mumbai Indians won just 1 of their first 5 matches, many thought it was over for them in the Indian Premier League 2025 season. After all, it was not Rohit Sharma's MI anymore — how could they have the same aura under Hardik Pandya? But, in the very close circle of believers, jokes murmured that it was only after the 5th match in the tournament that Mumbai’s real competition begins.Well, as it turned out a few weeks later, those jokes were true. Mumbai went on a rampage, winning their next six matches, and now sit at the top of the Indian Premier League 2025 points table. Their top stars — Rohit Sharma, Jasprit Bumrah, Hardik Pandya, and Suryakumar Yadav — are all in form and performing day in and day out.Rohit, the former MI captain, probably deserves the most respect. The opener hasn’t been in great form for MI in the IPL for several years now. Known more for playing impactful innings than piling up runs, Rohit has tried to reverse that approach, as his natural ability to bash the ball is slightly fading with age. The opener has become more watchful at the start and has made sure he sticks around before starting to take on the bowlers.Things were the same in MI’s match against Rajasthan Royals as well. Playing at Jaipur, a venue they hadn’t won at since 2012, Rohit and Ryan Rickelton saw off a difficult phase of



the first four overs before latching onto the bowlers at the Sawai Mansingh Stadium. From 27/0 in 4 overs, they pushed the run rate to 10 by the time the first wicket fell. When Rickelton got out to Maheesh Theekshana, Mumbai had already scored 116 in just 11.5 overs.Rohit’s resilience at the crease is only matched by Suryakumar Yadav’s grit. The India T20I captain had been out of form since last year in the shortest format of international cricket, but seems to have found his Midas touch once again. It’s been 11 games this season already, and Surya has scored 20+ runs in all of them.

He now leads the Orange Cap race with 475 runs at a ridiculous average of 68. His runs have come at a strike rate of over 170.

MI'S BOWLING UNIT MATCHING THEIR BATTING

Mumbai’s batting might has been matched by their bravery in bowling as well. Yes, the return of Jasprit Bumrah has helped, but maybe — just maybe — we need to talk a little about Trent Boult too.At 35 years old and no longer playing full-time cricket for New Zealand, Boult has been remarkable this season. His 16 wickets from 11 matches

place him third on the Purple Cap list so far. His brilliance was on full display against Rajasthan Royals when he castled Yashasvi Jaiswal, an opener determined to attack him inside the powerplay.

Speaking after the match, Boult said that everyone wanted a piece of him at the top to assert their dominance — and he found that competition quite exciting, especially in the powerplay overs where he could let his skill with the new ball shine.“Maybe they all want a piece of me and just really want to prove a point. I know Jaiswal wanted a piece, that’s for sure. Got along with him incredibly well when I had my time at the Royals. Quality player, loves to hit boundaries. Yeah, we did a lot of work behind the scenes on what we were thinking, and to take a few wickets up the top there and set up that powerplay and that chase nicely,” said Boult on Star Sports.

Boult also spoke about Jasprit Bumrah and how he was slowly returning to his best. Bumrah has been on hat-trick chances in each of the last two matches but hasn’tpicked one up yet. In the match against LSG, he picked up three wickets in a single over, dismantling their line-up. And against the Royals, Bumrah removed Riyan Parag and Shimron Hetmyer off consecutive deliveries to finish off their batting order.

Vaibhav Suryavashi's quiet and long struggle just began yesterday

New Delhi. On Thursday night, when Vaibhav Suryavanshi failed to clear mid-on off a Deepak Chahar ball, a funeral hush fell on Jaipur’s Sawai Man Singh Stadium. With his mouth open, and eyes wide, the 14-year-old Vaibhav remained glued to the pitch for a long time, as if the earth had stopped spinning on its axis. The whoosh of a ferocious wind carried his silent grief far and wide.Those few moments of frozen tragedy showed how much Vaibhav hates to fail, how he treats his every dismissal an act of self-betrayal, even when he has scored a century. This raging fire to succeed bodes well for him, and Indian cricket.Success isn’t a great teacher—it is merely a great motivator. The burning desire to succeed creates heroes. But legends are forged in the fires of failure. And Vaibhav’s journey began with that hush.

Failed Genius: A Rule, Not Exception In life, failed genius is a rule rather than an exception. Indian cricket is full of fallen heroes, child prodigies who stumbled at the



first hurdle and couldn’t get up. Vinod Kambli, the poster boy of this tragic phenomenon, Prithvi Shaw, Laxman Sivaramakrishnan, Sadanand Viswanath, and that original hit-man few remember—Atul Bedade. All of them, to quote Arundhati Roy’s God of Small Things, lights lent to us briefly.Psychologist Ellen Winner, who studied child prodigies, claims that only one in five prodigies sustain elite careers—not just in sports but in almost every domain. She cites many factors, including the burden of expectations, burnout, and the inability to recover from a setback—that can often trigger an identity crisis.But, for every four that fall, there is one person who rises, reminding us that success requires relentless effort, unwavering resolve and irrational passion. Without these, it becomes a painful reminder of what a person once was, and could have been.

SRH have let themselves down: Daniel Vettori gutted after poor IPL 2025 campaign

➡SRH are placed at ninth in the points table

➡SRH need to win their last 5 matches to qualify for the playoffs

➡SRH beat CSK by 5 wickets in their previous gameA



Friday, Vettori said that the Sunrisers haven’t shown the consistency to be amongst the top teams in the ongoing competition.“I don’t think we’ve put together complete performances. We’ve let ourselves down in one facet, probably in every match. You look at the good teams that are winning at the moment, they’ve been consistent across the board,” Vettori said in the pre-match press conference.

Very pleased with Aniket While Vettori was critical of SRH’s overall performance, he had words of praise for the 23-year-old Aniket Verma. Making his debut in the

ongoing IPL edition, Vettori scored 190 runs from nine games at an average of 27.14 with a top score of 74.“In terms of individuals, I’ve been very pleased with Aniket - coming into the side and the IPL for the first time and being able to play a style that’s really suited the team. He’s established himself as one of our key members,” Vettori added.The Sunrisers are currently languishing at ninth in the table with six points and a net run rate of -1.103 thanks to wins in three out of nine games.

They will go into the game against GT after beating Chennai Super Kings (CSK) by five wickets at the Chepauk. Harshal Patel won the Player of the Match award after he finished with figures of 4-0-28-4.Stay updated on IPL 2025 with India Today! Get match schedules, team squads, live score, and the latest IPL points table for CSK, MI, RCB, KKR, SRH, LSG, DC, GT, PBKS, and RR. Plus, keep track of the top contenders for the IPL Orange Cap and Purple Cap. Don't miss a moment!

Transgender women soccer players to be banned from women's teams in England, Scotland

LONDON. Transgender women will be banned from playing on women's soccer teams in England and Scotland following a UK Supreme Court ruling last month, the sport's governing body said Thursday.

The Football Association said it had decided to change its rules that had allowed transgender athletes to play on women's soccer if they had reduced testosterone levels.The Scottish Football Association made a similar decision that applies to competitive women's and girls' soccer.

The UK’s highest court issued a ruling two weeks ago that defined a woman for anti-discrimination purposes as someone born biologically female.The head of the Equality and Human Rights Commission said after the ruling that transgender women would be excluded from women's toilets, hospital wards and sports teams.While the ruling was cheered by some feminist groups, it has been condemned by trans-rights groups who said it would have a broad and detrimental impact on daily life. The issue has been polarising in the UK and

beyond, particularly in the United States, where President Donald Trump has signed executive orders to prohibit participation of



transgender athletes in sports and to use a rigid definition of the sexes, rather than gender, for federal government purposes. The orders are being challenged in court. The FA said that its policy before Thursday had been to make the sport accessible to as many people as possible, but that it would make alterations if there were changes in law, science or the operations of grassroots

football.We understand that this will be difficult for people who simply want to play the game they love in the gender by which they identify, and we are contacting the registered transgender women currently playing to explain the changes and how they can continue to stay involved in the game, the FA said in a statement.About 20 transgender women have been playing in English grassroots games this season.The people I know who are talking about this verdict are saying: Well, that's it for football for me," said Natalie Washington, a member of the group Football v Transphobia.Most people don't feel that they can go and play in the men's game for reasons of safety, for reasons of comfort."Fiona McAnena, of the group Sex Matters, welcomed the English FA decision, saying it was long overdue. The FA has had ample evidence of the harms to women and girls caused by its nonsensical policy of letting men who identify as women play in women's teams," McAnena said.

Europa League: Manchester United, Spurs dominate semifinal first leg, eye all-English final

New Delhi. English clubs Manchester United and Tottenham Hotspur took commanding leads in the first-leg semifinals of the UEFA Europa League, enjoying a dream night on Thursday, as they beat Athletic Club and Bodo/Glimt, respectively. The wins have positioned both sides favourably for the second leg and on course for the £100m winner-takes-all final.Athletic Club hosted Manchester United at San Mamés, and the visitors produced a one-sided game, taking it away 3-0 and silencing a passionate home crowd in Bilbao. The deadlock was broken in the 30th minute when Casemiro headed in the opener, resulting from Harry Maguire’s corner flick. Only seven minutes after, United doubled their lead as Dani Vivian put up a clumsy challenge on Alejandro Garnacho, which earned United a penalty and Vivian a red card.Bruno Fernandes came into the picture and calmly converted the spot-kick. Now that Athletic Club were reduced to 10 men, United started

capitalising on the advantage they had. In the stoppage time of the first half, Manuel Ugarte executed a sharp backheel in the box, which Fernandes latched onto and scored his second goal of the night. The Portuguese midfielder has been exceptional for United, as he has largely impacted their influence in their European campaign.

The home side struggled to create opportunities for themselves, mainly after going a man down. United stood strong in their defense, too, as Maguire and Lisandro Martinez proved crucial to earn a clean sheet. With a solid aggregate of 3-0 and the return leg clash at Old Trafford, Bruno’s side is in an authoritative position to reach the final.

North London scenes

At the Tottenham Hotspur Stadium in North London, the home side defeated Bodo/Glimt 3-1 in what was a high-energy clash. With the blowing of the kick-off whistle, Brennan



Johnson opened the scoring just 44 seconds into the match, making it the fastest-ever goal in a Europa League semifinal. Spurs continued to stay in charge as they found a second through James Maddison, who made a curling strike in the 34th minute to double the lead.As the second half kicked off, a

handball in the box gave Tottenham a penalty in the 61st minute, which Dominic Solanke effectively converted to make it 3-0. Bodo/Glimt never looked in, but didn’t go down without a fight. In the 83rd minute, Ulrik Saltnes scored his side’s first goal from the edge of the box to give the Norwegian side a vital away scoring.

Although Spurs hold the advantage, the late goal from Bodo/Glimt keeps the door slightly ajar as the two teams head into the return leg in Norway. The two return leg encounters are scheduled on May 8, and the two English sides will look to finish the job, eyeing a potential all-Premier League Europa League final at the San Mamés.

Sreeleela Surapaneni

Shares Spotlight With Rumoured BF Kartik Aaryan's Mother In Viral Video

The World Audiovisual and Entertainment Summit (WAVES) 2025 opened in Mumbai on May 1 with grandeur, energy, and a dazzling lineup of global creative minds. Running through May 4, the four-day summit is poised to become a cornerstone event in India's growing entertainment ecosystem. Among the many celebrities gracing the inauguration day, it was actress Sreeleela who stole the spotlight — not just for her elegant off-white ethnic ensemble, but for being seen alongside none other than Kartik Aaryan's mother, Mala Tiwari. The two were captured together in a now-viral video shared by paparazzo handle SnehZala. While Sreeleela looked ethereal in a cream-toned traditional outfit, Mala Tiwari complemented the mood with a bright pink and orange saree.

The visual has added fresh fuel to the ongoing speculation about Kartik and Sreeleela's rumoured relationship — especially after a recent clip from IIFA 2025,



where Mala Tiwari cheekily hinted at wanting a "very good doctor" as her daughter-in-law, left fans buzzing with curiosity.

Further fanning the flames, another video from a recent Tiwari family celebration had gone viral, where Sreeleela was spotted dancing joyfully to "Kissik" while Kartik filmed her with evident delight. The celebration was reportedly hosted to honour the achievements of Kartik's sister, Krithika Tiwari. Meanwhile, WAVES 2025 arrives at a significant moment for India's M&E sector. Following the Modi government's announcement of a \$1 billion creator fund and a Rs 400 crore investment in the upcoming Indian Institute of Creative Technologies (IICT) in Mumbai, the summit is expected to supercharge India's digital, film, and gaming landscape.

With projections pointing toward \$17 billion in online video investments and Rs 2.7 trillion in overall M&E revenue by 2025, WAVES 2025 is hosting over 10,000 delegates, 1,000 creators, 300 companies, and 350 startups from more than 90 countries. The guest list is no less stellar. From Amitabh Bachchan and Shah Rukh Khan to Deepika Padukone, Alia Bhatt, Rajinikanth, and Aamir Khan, the summit promises high-level conversations and cross-border collaborations aimed at redefining the future of storytelling.



Rasha Thadani, Vedang Raina's Ad Gets A Thumbs Up From Veer Pahariya



Indian audiences have always embraced fresh on-screen pairings with enthusiasm, and the latest duo winning hearts is Raveena Tandon's daughter, Rasha Thadani, and Vedang Raina. The young stars recently appeared together in a new advertisement, and their quirky, light-hearted chemistry has quickly become a hit on social media, with fans raving about their infectious vibe. In the viral ad, Rasha Thadani and Vedang Raina light up the screen as they groove to a modern twist on the iconic Kisi Disco Mein Jaaye, originally picturised on Raveena Tandon and Govinda. Though just under a minute long, the clip has sent social media into a frenzy, with fans gushing over their effortless chemistry and charm.

Both rising stars of the industry, Vedang Raina, who made his debut two years ago, and Rasha, fresh off her big screen debut with Azaad, are already emerging as fan favourites. From their playful expressions to their coordinated dance moves and million-dollar smiles, the duo has left quite an impression. With two ad collaborations under their belt, audiences are now eagerly hoping to see them share the big screen in a full-fledged film soon.

Veer Pahariya, who recently made his Bollywood debut with Skyforce, reacted to the post as he called Rasha Thadani, "Heroine No. 1." The post struck a chord with their fans, who showered the two with love and blessings over the gesture. One of them wrote, "Combination of talent, cuteness, and beauty, wish you a long-term success in this industry. Another fan added, "May they be cast together in a cute rom-com, that will break romantic records." A comment read, "Somebody please cast these two in a movie together." On the work front, Rasha Thadani made her major Bollywood debut in Azaad, starring Abhishek Kapoor. Directed by Abhishek Kapoor, the period drama also stars Ajay Devgn in a significant role. While Rasha was much praised, the movie got a lacklustre reception at the box office. On the other hand, Vedang Raina, who made his acting debut with The Archies, last appeared with Alia Bhatt in Vasan Bala's Jigra.

Namrata Shirodkar Drops Glimpses From 'The Best Lunch' Date With BFF In New York



Mahesh Babu's actress wife, Namrata Shirodkar often embarks on lovely vacations with her family. From taking part in breathtaking activities to having fun-filled chat sessions with her loved ones, the Ezhupunna Tharakan actress keeps updating her fans with sneak peeks into her travel diaries. Recently, as Namrata went to New York alongside her kids, Sitara Ghattamaneni and Gautam Ghattamaneni, the doting mommy gave insights from their lovely food sessions. On Instagram, Namrata Shirodkar posted a couple of pictures from her lunch date with her close friend, Lynn Saldanha. The opening slide of her post featured a lovely selfie of the duo, with a caption that read, "Lots of love Lynn, still laughing from ur jokes." The lunch date was also accompanied by the Dil Vil Pyar Vyar star's daughter, Sitara Ghattamaneni, and the trio simply radiated pure happiness upon their reunion.

The last frame featured Namrata and her BFF posing on a bench amid lush green surroundings. Atop it, the actress mentioned, "Taking chill pill strolls.. where else can u get to do this with total friends," a sentiment that is indeed relatable to many. For the day, Namrata looked gorgeous in a black jacket teamed with a pair of white loose-fitted pants. On the other hand, her friend picked a white shirt layered with a puffer jacket and brown pants. "Just the best lunch so far can't stop laughing. Lynn ur the best," read Namrata's caption alongside the post. Soon, many of her fans showcased their love for the mother-daughter duo and their vacation diaries.

During her trip to New York, the Vamsi: The Warrior actress also graced ace chef Vikas Khanna's popular restaurant Bungalow. She was accompanied by Gautam Ghattamaneni, Sitara Ghattamaneni, Aadi Pranay Chandel and Sidd Roddam during her culinary expedition to the eatery, serving authentic Indian delicacies and many other dishes. On her Instagram stories, Namrata posted a photo alongside Khanna and talked highly about her experience over there. She penned atop it, "Bestest food with the bestest chef and so much love. Thanks @vikaskhannagroup for being the best hosts along with the Best restaurant In nyc."

On the work front, Namrata last appeared in the 2004 Hindi movie Rok Sako To Rok Lo. After a gap of almost two decades, she made a comeback to the film business as a producer for the 2022 movie titled Major, which was released in both Telugu and Hindi languages.



Raashii Khanna

Makes Heads Turn With Glamorous Appearance At Raid 2 Screening

Raid 2, the Ajay Devgn and Riteish Deshmukh starrer thriller, has finally arrived in the theatres. Helmed by Raj Kumar Gupta, it features Ajay returning as the IRS officer Amay Patnaik, who takes on Dada Manohar Bhai, a powerful politician played by Riteish Deshmukh. Ahead of its release, the makers held a special screening of the film in Mumbai for the film fraternity members. Several renowned Bollywood

Apart from her, other celebs who attended the grand screening of Raid 2 last night include Ajay Devgn, Vaani Kapoor, Riteish Deshmukh, Saurabh Shukla, Bhushan Kumar, Abhishek Pathak, Indra Kumar, Shivaleeka Oberoi, Aaman Devgan, Taha Shah Badushshah and Abhishek Banerjee, among others.

Talking about the film, Raid 2 follows the story of IRS officer Amay Patnaik (played by Ajay), who is conducting his 75th raid to investigate corrupt politician Dada Manohar Bhai (played by Riteish). The film digs inside Bhoj, a town dominated by him, where Amay finds a network of corruption and black money, eventually culminating in a showdown with the strong figure.

Vaani, on the other hand, is the new addition to the film's cast. She has replaced Illeana D'Cruz, who played Patnaik's wife in the first part. Produced by Bhushan Kumar, the film also features Saurabh Shukla, Rajat Kapoor and Amit Sial in pivotal roles. Talking about Raashii, she earlier expressed

her excitement for Raid 2 on social media. Taking to Instagram, she re-shared the trailer on her stories and wrote, "Intense and fierce-looking forward."

On the work front, Raashii was last seen in the Tamil film Aghathiya: Angels Vs Devils, which was released in February this year.



celebs marked their presence at the premiere in stylish attire and among them was Raashii Khanna. The actress made heads turn with her glamorous look in a cut sleeve, deep-neck blue dress. She kept her hair open in soft waves and let it cascade down her shoulders. Raashii accessorised her look with a small black handbag and a gold ring.